सुविचार

ज़िन्दगी हमें सिखाती है कि अगर शांति चाहिए तो दूसरों की शिकायत करने से बेहतर है खुद को बदल लो क्योंकि पूरी दुनिया में कारपेट बिछाने से खुद के पैरों में चप्पल पहन लेनाअधिक सरल है

# दैनिक संयुक्त लहर

हिन्दी समाचार पत्र

RNI No. MPHIN/2023/90392

वर्ष : 03, अंक 245 | dainiksanyuktlaher@gmail.com | इंदौर, सोमवार, दिनांक 25 मई 2026 | #DSL.indore | पृष्ठ : 8 मूल्य : रु.3



ऑनलाइन अख़बार और ख़बरों के लिये बारकोड स्कैन करे


# जल गंगा संवर्धन अभियान बनेगा जन आंदोलन

## प्रदेश में जल संरक्षण के कार्यों में श्रमदान कर मनेगा गंगा दशहरा, मुख्यमंत्री डॉ. यादव उज्जैन में भव्य शिप्रा तीर्थ परिक्रमा में चढ़ाएंगे 300 फीट की चुनरी

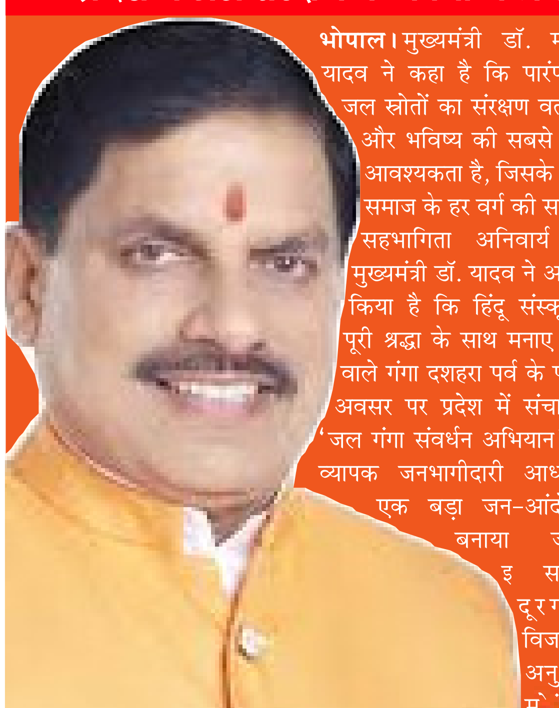

**भोपाल।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि पारंपरिक जल स्रोतों का संरक्षण वर्तमान और भविष्य की सबसे बड़ी आवश्यकता है, जिसके लिए समाज के हर वर्ग की सक्रिय सहभागिता अनिवार्य है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आह्वान किया है कि हिंदू संस्कृतिमें पूरी श्रद्धा के साथ मनाए जाने वाले गंगा दशहरा पर्व के पावन अवसर पर प्रदेश में संचालित 'जल गंगा संवर्धन अभियान' को व्यापक जनभागीदारी आधारित एक बड़ा जन-आंदोलन बनाया जाए। इसी दूरगामी विजन के अनुक्रम में सोमवार, 25 मई को प्रदेश के ग्रामीण और नगरीय क्षेत्रों में व्यापक जल संरक्षण गतिविधियों और भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है, जिससे जन-जन को इस पुनीत कार्य से सीधे जोड़ा जा सके। सभी प्रभारी मंत्री, सांसद, विधायक और स्थानीय जनप्रतिनिधि अपने अपने क्षेत्र में जनसमुदाय और विभिन्न सामाजिक संगठनों के सहयोग से स्थानीय कुओं, नहरों, बावड़ियों और तालाबों की साफ-सफाई, घाटों की स्वच्छता और पुराने बंद पड़े बोरवेल के पास रिचार्ज पिट निर्माण जैसे जलसंरक्षण के कार्यों में श्रमदान के लिए प्रेरित करेंगे। इसी कड़ी में, उज्जैन में गंगा दशहरा के शुभ अवसर पर महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ द्वारा 25 और 26 मई को द्वि दिवसीय भव्य 'शिप्रा तीर्थ परिक्रमा' का आयोजन किया जा रहा है, जो व्यापक जनभागीदारी का एक अनुपम उदाहरण बनेगा। यह महत्वपूर्ण परिक्रमा रामघाट से प्रारंभ होकर नृसिंहघाट, कर्कराज मंदिर, वेधशाला, महामृत्युंजय द्वार और प्रशांतिधाम शनि मंदिर से होते हुए दत्तअखाड़ा घाट पहुंचेगी, जहां श्रद्धालु रात्रि विश्राम करेंगे। अगले दिन, गंगा दशमी के अवसर पर यह परिक्रमा रणजीत हनुमान मंदिर, भैरवगढ़, सिद्धवट, मंगलनाथ, सांदीपनि आश्रम, गढ़कालिका और गोपाल मंदिर से होते हुए पुनः रामघाट पर पहुंचकर संपन्न होगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा स्वयं माँ शिप्रा को 300 फीट की चुनरी अर्पित की जाएगी। इस धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन को भव्यता प्रदान करने के लिए रामघाट पर पंडित ढोली बुवा द्वारा 17 मई से प्रतिदिन सायं 7:30 बजे 'हरिकथा' का गायन किया जा रहा है। दत्तअखाड़ा घाट पर आयोजित भजन संध्या में इंदौर के श्रेयश शुक्ला और जबलपुर की लोक गायिका संजो बघेल भजनों की प्रस्तुति देंगे। परिक्रमा के मुख्य आकर्षण के रूप में 26 मई को होने वाले मुख्य कार्यक्रमों में भारतीय नौसेना (इंडियन नेवी) के बैंड की शानदार प्रस्तुति होगी, जिसके साथ ही मुंबई के केशवम् बैंड द्वारा भजन जैमिंग और प्रसिद्ध लोक गायिका मैथिली ठाकुर एवं साथियों द्वारा भजनों की सुमधुर प्रस्तुतियां दी जाएंगी। धार्मिक और पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, ज्येष्ठ मास के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को मनाया जाने वाला गंगा दशहरा का पर्व मुख्य रूप से माँ गंगा के स्वर्ग से पृथ्वी पर अवतरित होने की खुशी में मनाया जाता है, जिससे प्रकृति और जन-जीवन धन्य हुआ था। ऐसी गहरी आस्था है कि इस अत्यंत पवित्र दिन पर पवित्र नदियों में स्नान, श्रद्धापूर्वक पूजा-अर्चन और जल स्रोतों का संरक्षण करने से मनुष्य के दस तरह के पापों का नाश होता है और राजा भगीरथ के पूर्वजों की तरह ही जीवात्मा को मोक्ष की प्राप्ति होती है। नहरों, बावड़ियों और तालाबों की साफ-सफाई, घाटों की स्वच्छता तथा पुराने बंद पड़े बोरवेल के पास रिचार्ज पिट निर्माण जैसे श्रमदान के कार्य किए जाएंगे। इसके बाद द्वितीय चरण में गंगा दशहरा के आध्यात्मिक विषय पर आधारित सांस्कृतिक संध्याओं का आयोजन किया जाएगा, जिसके तहत प्रत्येक जिले में 4 से 5 ऐसे उत्कृष्ट कार्यों को चिन्हित किया जाएगा जिन्हें राष्ट्रीय स्तर पर मॉडल के रूप में प्रस्तुत किया जा सके। ग्रामीण क्षेत्रों में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी और नगरीय क्षेत्रों में नगर निगम आयुक्त या परियोजना अधिकारी इसके नोडल अधिकारी होंगे। इस पूरे जन-आंदोलन के केंद्र में 'जल गंगा संवर्धन अभियान' है, जिसके तहत जल आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल हो रही है। 'जल गंगा संवर्धन अभियान' प्रदेश में 19 मार्च से 30 जून 2026 तक संचालित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में अब तक प्रदेश में 1 लाख 911 हजार 294 जल संरक्षण संबंधी कार्यों को सफलतापूर्वक पूरा किया जा चुका है।

## न्यूज ब्रीफ

### जम्मू-कश्मीर के बडगाम में लापता 12 साल की बच्ची की रेप के बाद हत्या

**नई दिल्ली।** जम्मू-कश्मीर के बडगाम जिले में लापता हुई 12 साल की बच्ची का शव रविवार को उसके घर से लगभग 200 मीटर दूर मिला। पुलिस ने बताया कि बच्ची शनिवार शाम को जिले के गलवानपोरा इलाके से लापता हो गई थी। पुलिस ने किडनैपिंग का मामला दर्ज कर सर्च ऑपरेशन चलाया। बच्ची का शव आज सुबह मिला।

### कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ में 8 लोगों की नदी में डूबने से मौत, इनमें 7 महिलाएं; 2 लापता

**नई दिल्ली।** कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ जिले में टट्टे हक्कालु नदी में एक ही परिवार के 8 लोगों की डूबने से मौत हो गई। मृतकों में 7 महिलाएं शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक, तेज बहाव में बहने के बाद लोगों को बचाने की कोशिश में मृतकों की संख्या और बढ़ गई। पुलिस सूत्रों के अनुसार, भटकल तालुक के शिराली गांव के करीब 14 लोग नदी में ताजे पानी के मसल्स (सीप) निकालने गए थे। यह नदी किनारे और तटीय इलाकों में स्थानीय समुदायों द्वारा की जाने वाली मौसमी परंपरा मानी जाती है।

### ओडिशा में श्राद्ध का खाना खने से 4 मौत, 20 घायल

**नई दिल्ली।** ओडिशा के सुंदरगढ़ जिले के हेमगीर ब्लॉक के नुआडीही गांव में एक 'श्राद्ध' कार्यक्रम में खाना खाने के बाद कथित तौर पर चार लोगों की मौत हो गई और 20 से अधिक लोग बीमार हो गए। खाना खाने के तुरंत बाद नुआडीही और पड़ोसी झारसुगुड़ा जिले के सुनाखेन गांव के कई लोगों ने उल्टी, पेट दर्द और गंभीर कमजोरी की शिकायत की।

### नवी मुंबई में हाईवे पर चलती लग्जरी बस में लगी आग, 22 यात्री सुरक्षित निकले

**नई दिल्ली।** महाराष्ट्र के ठाणे जिले में सायन-पनवेल हाईवे पर रविवार दोपहर एक चलती लग्जरी बस में आग लग गई। बस में सवार सभी 22 यात्रियों को समय रहते सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। हादसे में कोई घायल नहीं हुआ। वाशी फायर स्टेशन के अधिकारी यूबी आक्रे के मुताबिक, बस सायन-पनवेल हाईवे पर चल रही थी। इसी दौरान ड्राइवर ने इंजन से धुआं निकलता देखा। ड्राइवर ने तुरंत बस को सड़क किनारे रोका और यात्रियों को नीचे उतरने के लिए कहा। सभी यात्री सुरक्षित बाहर निकल गए।

### भारत सरकार ने इबोला प्रभावित अफ्रीकी देशों में न जाने की एडवाइजरी जारी की

**नई दिल्ली।** सरकार ने रविवार को भारतीय नागरिकों को इबोला से प्रभावित अफ्रीकी देशों में न जाने की एडवाइजरी जारी की। एडवाइजरी में कहा गया कि जब तक जरूरी न हो, भारतीय नागरिक कांगो, युगांडा और दक्षिण सूडान की यात्रा न करें।

# मोदी ने केंद्रीय मंत्री के बेटे को गोद में उठाया

## टेबल पर खड़ा करके दुलारा, बेटी को कॉपी दी

**नई दिल्ली।** केंद्रीय सिविल एविशन मंत्री राम मोहन नायडू ने शनिवार को पीएम मोदी से मुलाकात की। नायडू परिवार संग दिल्ली में सेवा तीर्थ भवन पहुंचे थे। मुलाकात के दौरान पीएम ने नायडू के दोनों बच्चों को दुलार किया। पीएम ने बेटे को गोद में उठाया फिर टेबल पर खड़ा कर दिया। इसके बाद नायडू की बेटी मोदी के पास पहुंची तो पीएम ने उससे एक कॉपी ली और उसमें कुछ लिखकर हाथ में थमा दी। इसके अलावा 'एक पेड़ मां के नाम' के तहत नायडू की मां ने मोदी को पौधा भी गिफ्ट किया। राम मोहन नायडू आंध्र प्रदेश की श्रीकाकुलम लोकसभा सीट से सांसद हैं। इसके साथ ही के राष्ट्रीय महासचिव पद पर भी हैं। नायडू पिछले तीन बार से लोकसभा चुनाव जीत रहे हैं। जून 2024 में उन्हें केंद्र सरकार में नागरिक उड्डयन मंत्री बनाया गया था। उस वक्त उनकी उम्र 36 साल थी। केंद्रीय कैबिनेट में शामिल होने वाले वह देश के सबसे युवा मंत्रियों में से एक हैं।

पिछले 15 दिनों में पीएम मोदी ने आंध्र प्रदेश के तीन बड़े नेताओं से उनके परिवार संग मुलाकात की है। इससे पहले पीएम 10 मई को जब हैदराबाद के दौर पर थे। तब वे आंध्र प्रदेश के सीएम चंद्रबाबू नायडू और डिप्टी सीएम पवन कल्याण के घर गए थे और परिवार से मिले थे। पीएम मोदी अक्सर एनडीए के सहयोगी दलों के प्रमुखों से मुलाकात करते रहते हैं। केंद्र में भाजपा फिलहाल के सहयोगी दलों के भरोसे सरकार चला रही है। 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को सिर्फ 240 सीटें मिलीं थीं।

### गुजरात में बैंक से 8.70 करोड़ चुराने वाला कर्मचारी अरेस्ट

**अहमदाबाद।** अहमदाबाद में आरबीआई के करेंसी चेस्ट बैंक से 8.70 करोड़ रुपए चुराने वाले कस्टोडियन को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। 13 जनवरी की रात 9:12 बैंक का एक सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। इसमें कस्टोडियन और उसके दो साथी बक्सों में भरकर रुपए ले जाते नजर आ रहे हैं। पुलिस ने आरोपी के दो साथियों को भी हिरासत में लेकर उनसे पूछताछ शुरू कर दी है। जांच में सामने आया है कि आरोपी ने चोरी के पैसों से अहमदाबाद में 2 करोड़ का बंगला और 1.40 करोड़ रुपए की दुकान भी खरीद ली है। पुलिस ने उसकी कार से 2.20 करोड़ रुपए नकद भी बरामद किए हैं। मामले का खुलासा हाल ही में तब हुआ, जब ऑडिट और नए कस्टोडियनों द्वारा की गई जांच में 500 रुपए के नोटों की 174 रीलें कम पाई गईं, जिनकी कुल कीमत 8.70 करोड़ रुपए थी। बैंक अधिकारियों ने सीसीटीवी फुटेज की जांच की और पाया कि 13 जनवरी को आरोपी हर्षसिद्ध कादियार कुछ बक्से लेकर बैंक से बाहर जा रहा था।

# एक्ट्रेस ट्विशा का मौत के 12 दिन बाद अंतिम संस्कार : भाई ने भोपाल में मुखाग्नि दी

**भोपाल।** एक्ट्रेस ट्विशा का मौत के 12 दिन बाद रविवार को अंतिम संस्कार किया गया। भोपाल के भदभदा श्मशान घाट में भाई मेजर हर्षित ने ट्विशा को मुखाग्नि दी। इस दौरान ट्विशा की मां और परिवार भावुक होकर रो पड़ा। इससे पहले रविवार को ही दिल्ली की टीम ने ट्विशा की डेडबॉडी का दोबारा पोस्टमॉर्टम किया। भोपाल में करीब 3 घंटे चली प्रक्रिया के बाद टीम भोपाल से रवाना हो गई। पोस्टमॉर्टम से जुड़े सैंपल और विसरा भोपाल में ही सुरक्षित रखे गए हैं। टीम अपनी रिपोर्ट सीलबंद लिफाफे में सौंपेगी। 12 मई की रात भोपाल के कटारा हिल्स में ट्विशा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हुई थी। ससुराल पक्ष इसे आत्महत्या बता रहा है, जबकि मायके पक्ष ने पति और ससुराल वालों पर हत्या का आरोप लगाया है। प्रीम कोर्ट ने ट्विशा शर्मा केस को स्वतः संज्ञान लिया है। सोमवार को चीफ

जस्टिस की बेंच इस केस की सुनवाई करेगी। ट्विशा के पति समर्थ को शनिवार को भोपाल जिला कोर्ट में पेश किया गया था। ोर्ट ने समर्थ की 7 दिन की पुलिस रिमांड मंजूर की है। साथ ही उसका पासपोर्ट जब्त करने के आदेश दिए हैं। भोपाल कोर्ट में सास गिरिबाला की जमानत निरस्त करने के लिए आवेदन दायर किया गया है। इस पर सोमवार को सुनवाई होगी। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने मामले की जांच से कराने पर सहमति दे दी है।

# रूस ने यूक्रेन पर ओरेशनिक मिसाइल से हमला किया : यह परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम

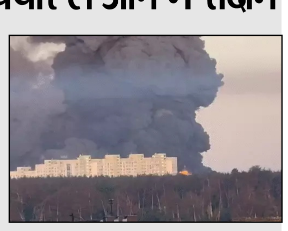

**कीव।** रूस ने रविवार को यूक्रेन पर कई मिसाइलों और ड्रोनों से हमला किया जिसमें कम से कम 4 लोगों की मौत हो गई और कई दर्जन लोग घायल हैं। हमलों का निशाना यूक्रेन की राजधानी कीव के आसपास के इलाके थे। रूस ने कहा कि यह हमला यूक्रेनी हमलों के जवाब में किया गया। रूसी रक्षा मंत्रालय के मुताबिक हमलेमें ओरेशनिक हाइपरसोनिक मिसाइल का भी इस्तेमाल हुआ। यह मिसाइल परमाणु हथियार ले जाने में भी सक्षम है। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने रूस पर जानबूझकर नागरिक इलाकों को निशाना बनाने का आरोप लगाया। उन्होंने टेलीग्राम पर लिखा कि रूसी हमलों में पानी सप्लाई करने वाली एक फैसिलिटी को नुकसान पहुंचा, एक बाजार जल गया और कई घरों व स्कूलों पर हमला हुआ। जेलेंस्की ने कहा कि रूस के तरफ से दागी ओरेशनिक मिसाइल बिला त्सेरक्वा शहर के पास गिरी। उन्होंने कहा, 'वे सचमुच पागल हो चुके हैं।

# कर्नाटक में नीट छात्रा ने आत्महत्या की : 12 दिनों में 5 स्टूडेंट्स ने जान दी

## राहुल बोले- धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे तक चैन से नहीं बैठेंगे

**नई दिल्ली/बेंगलुरु।** कर्नाटक के कलबुर्गी में 18 साल की नीट छात्रा ने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। छात्रा की पहचान भाग्यश्री के रूप में हुई है। उसने नीट -त्न की परीक्षा दी थी। पुलिस के मुताबिक, मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। छात्रा के पिता राजशेखर ने बताया कि परिवार में किसी तरह की परेशानी नहीं थी और बेटी पढ़ाई में काफी अच्छी थी। भाग्यश्री ने हाल ही में

12वीं परीक्षा में 92 प्रतिशत अंक हासिल किए थे और नीट परीक्षा भी अच्छी गई थी। नीट -त्न परीक्षा देश भर में 3 मई को आयोजित की गई थी। हालांकि, पेपर लीक के आरोपों के बाद 12 मई को परीक्षा रद्द कर दी गई। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने दोबारा परीक्षा 21 जून को कराने की घोषणा की है। परीक्षा रद्द होने के बाद पिछले 12 दिनों में 5 स्टूडेंट्स जान दे चुके हैं। इधर, कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने एक बार फिर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा मांगा। उन्होंने ङ्ग पर एक पोस्ट में कहा- जब तक धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा नहीं होता और नीट जैसे पेपर लीक रोकने के लिए फूलप्रूफ सिस्टम नहीं बनता।

# कॉकरोच जनता पार्टी फाउंडर बोले- इंस्टाग्राम अकाउंट का कंट्रोल वापस मिला

कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके ने रविवार को दावा किया कि उनके इंस्टाग्राम अकाउंट का कंट्रोल वापस मिल गया है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर वीडियो पोस्ट कर लिखा, 'हम वापस आ गए हैं, तुम भूल गए थे कि हम जिंदा रहने के लिए क्या कर सकते हैं। 'पोस्ट के साथ उन्होंने कॉकरोच की इमेज भी शेयर की। इससे पहले शनिवार को उन्होंने दावा किया था कि उनकी पार्टी और पर्सनल अकाउंट को हैक किया गया है। वहीं, दीपके ने रविवार को ङ्ग पर फॉलोअर्स डेटा शेयर कर बताया कि उनके 94 से ज्यादा फॉलोअर्स भारत से हैं। उन्होंने केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू से सवाल किया कि भारतीय युवाओं को पाकिस्तानी क्यों कहा जा रहा है। दरअसल, रिजिजू ने ङ्ग पर बिना किसी का नाम लिखे पोस्ट कर लिखा था कि कुछ लोग सोशल मीडिया पर पाकिस्तान और जॉर्ज सोरोस गिरोह से फॉलोअर्स जुटाते हैं, जबकि भारत में ही पर्याप्त युवा मौजूद हैं।

# चंडीगढ़ में छत से गिरती नाबालिग लड़की : कपड़े सुखाने गई थी, पैर फिसलने पर दूसरी मंजिल से गिरी

**चंडीगढ़।** चंडीगढ़ के सेक्टर-55 में रविवार को बिल्डिंग की दूसरी मंजिल की छत पर कपड़े सुखाने गई एक 16 वर्षीय नाबालिग लड़की अचानक पैर फिसलने से नीचे गली में गिर गई। हादसा इतना अचानक हुआ कि नीचे से गुजर रहे लोग घबरा गए। गंभीर रूप से घायल होने की आशंका के बीच लोगों ने तुरंत लड़की को उठाकर अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसका इलाज शुरू किया। लड़की की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। इस घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें लड़की छत से गिरने के बाद जमीन पर पड़ी तड़पती दिख रही है। जानकारी के अनुसार सेक्टर-55 निवासी 16 वर्षीय खुशी अपने घर की दूसरी मंजिल पर कपड़े सुखाने गई थी। वह छत पर कपड़े डाल रही थी कि अचानक उसका संतुलन बिगड़ गया और पैर फिसलने से वह सीधे नीचे गली में जा गिरी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हादसा इतना अचानक हुआ कि किसी को समझ ही नहीं आया कि आखिर हुआ क्या है? गली से गुजर रहे लोगों ने जोर की आवाज सुनी तो देखा कि एक लड़की जमीन पर पड़ी तड़प रही थी। यह देखकर आसपास मौजूद लोग घबरा गए और तुरंत उसकी ओर दौड़े। लोगों ने बिना देर किए लड़की को उठाया और परिवार वालों को सूचना दी। इसके बाद उसे तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती करवाया गया। डॉक्टरों के अनुसार, लड़की के शरीर पर कुछ चोटें आई हैं, लेकिन उसकी हालत स्थिर है और वह खतरे से बाहर है। यह पूरी घटना इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हो गई। वीडियो में देखा जा सकता है कि लड़की अचानक ऊपर से नीचे गिरती है। इसके बाद लड़की जमीन पर पड़ी तड़पती है। उसे वहां से गुजर रहे लोग देखकर एकदम से डर जाते हैं। इसके बाद कई लोग उसकी मदद के लिए पहुंचते हैं। कराहती हुई लड़की को लोग उठाकर ले जाते हैं। लड़की अपने पैरों पर चल नहीं पा रही थी। लोग उसे घसीटते हुए गाड़ी की तरफ ले गए।

# महिलाओं रोजगार के लिए उम्मीद की किरण उद्यम लर्निंग फाउंडेशन

संयुक्त लहर, रूपेश कटारिया

उधम लर्निंग फाउंडेशन के प्रयासों को मिली सफलता आई नॉ आजीविका मिशन का है सेंटर जो की सिमरोल में है जो कि काम की कमी की वजह से दो वर्षों से बंद था। सेंटर की पूर्व संचालक सोनू राठौर बहुत समय से इसे चालू करने का प्रयास के रहे थे। इसी के चलते उन्होंने उधम लर्निंग फाउंडेशन की अंकिता राठौर से संपर्क किया। उद्यम लर्निंग फाउंडेशन के द्वारा महिलाओं के साथ मीटिंग कर इसे फिर से चालू किया गया। जिससे 25 से 50 महिलाओं को रेडीमेड का काम मिलेगा। साथ ही अन्य महिलाओं ट्रेनिंग भी दी जाएगी। ग्रामीण महिलाओं को आत्म निर्भर बनाने के लिए किए जा रहे इस प्रकल्प की जितनी सराहना की जाए कम है। इसके पूर्व उद्यम लर्निंग फाउंडेशन के साथ जुड़कर इंदौर में 80 महिलाओं को रोजगार प्राप्त किया। वर्तमान में 30 महिलाएं अभी ट्रेनिंग ले रही हैं। और महिलाओं को रोजगार के साथ ट्रेनिंग और उनके प्रोडक्ट के लिए मार्केट लिंकेज भी दिया उधम लर्निंग फाउंडेशन का उद्येश्य उद्यमियों का उत्थान: यह कार्यक्रम विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों और छोटे व्यवसायों में काम करने वाले लोगों की मदद करता है। व्यापारी मेंटर मॉडल: इसमें समान पृष्ठभूमि वाले सफल व्यापारियों द्वारा अन्य व्यापारियों को प्रशिक्षित और मार्गदर्शन किया जाता है। व्यावसायिक समाधान: व्यवसाय की प्रकृति को समझते हुए सोर्सिंग और मार्केट लिंकेज जैसे व्यावहारिक समाधान प्रदान किए जाते हैं। आय में वृद्धि और मानसिकता: कार्यक्रम का मुख्य लक्ष्य उद्यमियों के मुनाफे में वृद्धि करना और उनमें आय बढ़ाने के लिए सकारात्मक व्यावसायिक सोच विकसित करना है।

# मध्यप्रदेश पुलिस का अपराधियों और असामाजिक तत्वों के खिलाफ रातभर चला प्रदेशव्यापी विशेष कॉम्बिंग गश्त अभियान

संयुक्त लहर, प्रतिनिधि

**भोपाल।** मध्यप्रदेश में अपराधियों, फरार वारंटियों और असामाजिक तत्वों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने तथा आमजन में सुरक्षा का भाव मजबूत करने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा प्रदेश में व्यापक स्तर पर समय-समय पर 'कॉम्बिंग गश्त' अभियान लगातार जारी है। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में देर रात से शुरू होकर सुबह तक चली इस विशेष कार्रवाई में प्रदेशभर के 2500 से अधिक पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी मुस्तैदी से मैदान में उतरे। इस राज्यव्यापी अभियान के दौरान पुलिस टीमों ने विभिन्न जिलों में रिकॉर्ड 2100 से अधिक वारंट तामील/ वारंटी गिरफ्तार किए। इसके साथ ही सूचीबद्ध बदमाशों, गुंडों, हिस्ट्रीशीटरों और जिला बदर अपराधियों की धरपकड़ व चेकिंग की गई। अभियान के दौरान आबकारी एक्ट, जुआ-सट्टा, अवैध हथियार और मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ भी कार्रवाही की गई। ग्वालियर : पुलिस ने रातभर में 249 फरार वारंटियों (121 स्थायी और 128 गिरफ्तारी वारंट) को गिरफ्तार किया। इसके अलावा 303 गुंडों व हिस्ट्रीशीटरों की जांच कर अवैध शराब व हथियारों पर कार्रवाई की गई। जबलपुर : अपराधियों एवं वारंटियों की धरपकड़ हेतु जबलपुर पुलिस द्वारा कॉम्बिंग गस्त के दौरान 120 स्थाई वारंट एवं 71 गिरफ्तारी वारंट सहित कुल 191 वारंट तामील किए गए। ?टीकमगढ़ (मेगा कॉम्बिंग ऑपरेशन) : दो दिवसीय विशेष अभियान के तहत जिले में स्थाई 6, गिरफ्तारी 55 एवं 160 जमानती एवं 246 अन्य सहित कुल 467 वारंट तामील किए गए। साथ ही सघन वाहन चेकिंग और आबकारी एक्ट के तहत मामले दर्ज किए गए मुरैना : पुलिस ने 73 स्थायी वारंटी, 63 गिरफ्तारी वारंटी, ईनामी एवं फरार 14 बदमाशों सहित कुल 150 वारंटियों को गिरफ्तार किया। इसके अतिरिक्त 28 हिस्ट्रीशीटर गुंडे तथा 18 जिलाबदर अपराधियों की चेकिंग की गई। इसके अलावा थाना पहाड़गढ़ पुलिस द्वारा 08 पेटी अवैध देशी शराब कीमत लगभग 44 हजार रुपए की जब्त कर आबकारी अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई।

# 'एक पेड़ माँ के नाम - परिवार के साथ' अभियान से जागी पर्यावरण चेतना शंभू पर्वत पर गूंजा संदेश - 'आज लगाएंगे, पीढ़ियां संभालेंगी'

संयुक्त लहर, मुकेश ठक्कर

**खरगोन।** जिले में पर्यावरण संरक्षण को लेकर रविवार सुबह एक प्रेरणादायक पहल देखने को मिली। त्रिशूल युवा संगठन द्वारा 'एक पेड़ माँ के नाम - परिवार के साथ' अभियान का शुभारंभ निधि वन स्थित शंभू पर्वत से किया गया। संगठन के संरक्षक नरेंद्र जोशी (अतिशय) के नेतृत्व में आयोजित इस महाअभियान में बड़ी संख्या में युवाओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं और परिवारों ने भाग लेकर पौधारोपण किया तथा पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। अभियान का उद्देश्य केवल पौधे लगाना नहीं, बल्कि उन्हें संरक्षित कर आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित भविष्य तैयार करना है। संगठन ने जिले के 10 हजार परिवारों को इस अभियान से जोड़ने का लक्ष्य रखा है, ताकि हर घर, खेत, मंदिर और सार्वजनिक स्थान पर कम से कम एक पौधा लगाया जा सके। कार्यक्रम के दौरान 'पेड़ नहीं, भविष्य लगा रहे हैं' और 'आज लगाएंगे, पीढ़ियां संभालेंगी' जैसे संदेशों के माध्यम से लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक किया गया। वक्ताओं ने कहा कि बढ़ते प्रदूषण, जल संकट और तापमान वृद्धि के दौर में पौधारोपण सबसे बड़ा सामाजिक दायित्व बन गया है। अभियान की खास बात यह रही कि लोगों ने अपनी माताओं के सम्मान में पौधे लगाए और उन्हें जीवनभर सुरक्षित रखने का संकल्प लिया। युवाओं ने ग्राम-ग्राम जाकर लोगों को इस अभियान से जोड़ने की बात कही। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में श्याम महाजन, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत सामाजिक सद्भाव सह प्रमुख राधेश्याम पाटीदार, हिंदू जागरण मंच के दीपक शर्मा, गौरव रघुवंशी सहित 32 परिवार उपस्थित रहे।

# अतिक्रमण की कार्रवाई से पहले व्यापारियों की बैठक; भीषण गर्मी का हवाला देकर तहसीलदार से रियायत मांगने का लिया निर्णय

## मोहन बड़ोदिया के हनुमान मंदिर में जुटे व्यापारी, सोमवार को सौंपेंगे ज्ञापन; मंगलवार को चलना है प्रशासन का जेसीबी

संयुक्त लहर, मोहन बड़ोदिया रवि गोयल

प्रशासन द्वारा अतिक्रमण हटाने के लिए दिए गए नोटिस के बाद नगर के व्यापारियों में हड़कंप मचा हुआ है। मंगलवार को होने वाली संभावित प्रशासनिक कार्रवाई को देखते हुए रविवार को व्यापारियों ने मोहन बड़ोदिया थाना परिसर स्थित हनुमान मंदिर में एक आपात बैठक आयोजित की। इस बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि सोमवार को सभी व्यापारी लामबंद होकर तहसीलदार कार्यालय पहुंचेंगे और प्रशासन से राहत की गुहार लगाएंगे।

**भीषण गर्मी में टीन शेड न हटाने की मांग**

बैठक में व्यापारियों ने अपनी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि इस समय क्षेत्र में भीषण गर्मी और तेज धूप का प्रकोप है। ऐसे में दुकानों के आगे लगे टीन शेड को अचानक हटा दिए जाने से उनका व्यापार पूरी तरह ठप हो जाएगा और सामान का भी भारी नुकसान होगा। व्यापारियों का कहना है कि वे प्रशासन की कार्रवाई के विरोध में नहीं हैं, लेकिन मानवीय आधार पर उन्हें कुछ समय और छूट दी जानी चाहिए।

**व्यापारियों का मुख्य प्रस्ताव**

सोमवार को सौंपे जाने वाले आवेदन में व्यापारी मांग करेंगे कि प्रशासन पहले पूरी पारदर्शिता के साथ सीमांकन करे। इसके बाद व्यापारियों को थोड़ी रियायत देते हुए नियमानुसार अतिक्रमण हटाने की अनुमति दी जाए, ताकि किसी का रोजगार पूरी तरह प्रभावित न हो।

**मंगलवार को आना है जेसीबी**

गौरतलब है कि तहसीलदार द्वारा अतिक्रमणकारियों को नोटिस जारी कर स्वत: ही अतिक्रमण हटाने की चेतावनी दी गई थी। नोटिस की समय-सीमा समाप्त होने के बाद मंगलवार को प्रशासन द्वारा जेसीबी की मदद से बलपूर्वक अतिक्रमण हटाने की तैयारी है। इसी कार्रवाई से सहमे व्यापारियों ने अब सोमवार को तहसीलदार के सामने अपनी बात रखने का फैसला किया है। इस बैठक में नगर के बड़ी संख्या में छोटे-बड़े व्यापारी और दुकानदार मौजूद रहे।

# ग्रामीण क्षेत्र में पुलिस की सक्रियता से सख्त हो रही कानून व्यवस्था

## चेकिंग के दौरान 5 जगहों पर पकड़ी अवैध शराब, 40 लोगों पर किराएदार की जानकारी न देने पर बनाए प्रकरण

संयुक्त लहर, रूपेश कटारिया

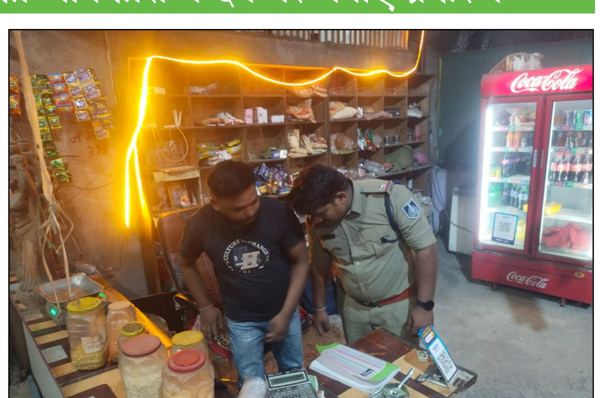

**इंदौर।** ग्रामीण क्षेत्र में कानून और सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने किरायेदारों, घरेलू नौकरों, पेइंग गेस्ट, छात्रावासों में रहने वाले विद्यार्थियों, होटल-लॉज और धर्मशालाओं में ठहरने वाले लोगों सहित निर्माण कार्यों में लगे मजदूरों एवं कारीगरों के सत्यापन को लेकर प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया थे। उसी के बाद ग्रामीण डी एस पी उमाकांत चौधरी के मार्ग दर्शन में प्रभावी कारवाही की जा रही हैं। जिसके चलते चार होटल व्यवसायियों पर और मकान मालिकों पर किराएदारों की सूचना नहीं देने के कारण कारवाही की गई। जिसमें 40 लोगो पर 107/116 और दो लोगो पर 110 की कार्यवाही की गई। वहीं पुलिस की पेट्रोलिंग चेकिंग भी लगातार जारी है । जिसके चलते सिमरोल और खुड़ैल में 5 जगह शराब पकड़ी गई। डीएसपी उमाकांत चौधरी द्वारा 12 पुराने अपराधो और शिकायतों का निराकारण भी किया गया।

# जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत आज कलेवर कुंड की होगी सफाई

संयुक्त लहर, प्रतिनिधि

1100 दीपक एवं विद्युत सज्जा से जगमगाएगा मंदिर प्रांगण

मां गंगा एवं बाबा अनादिकल्पेश्वर महादेव की होगी 101 दीपक से भव्य आरती मध्यप्रदेश शासन के जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत नगर परिषद आलोट के तत्वाधान में आलोट के प्रसिद्ध तीर्थस्थल भगवान अनादि कल्पेश्वर महादेव मंदिर परिसर पर होगे आयोजन अध्यक्ष प्रतिनिधि अभिषेक जैन एवं पार्षद प्रतिनिधि अनिल भरावा मुख्य नगर परिषद अधिकारी सीताराम चौहान ने बताया कि शासन के इस महत्वपूर्ण अभियान के तहत सुबह 9 बजे से कलेवर कुंड एवं परिसर में सफ़ाई अभियान चलाया जाएगा इसके बाद शाम को परिसर में रंगोली बनाकर 1100 दीप प्रज्वलित कर जगमगाहट की जाएगी मंदिर पर विद्युत सज्जा के साथ मां गंगा एवं बाबा अनादिकल्पेश्वर महादेव जी की 101 डिपो से भव्य आरती की जाएगी तथा संगोष्ठी का आयोजन होगा नगर परिषद ने सोशल मीडिया के माध्यम से नगर के सभी शिवभक्तों को उक्त कार्यक्रम में सम्मिलित होने का अनुरोध किया हे नगर परिषद द्वारा कार्यक्रम की तैयारी की जा रही।

## राधा-कृष्ण मंदिर में तीन दिवसीय नानीबाई का मायरा कथा 26 से

संयुक्त लहर, प्रतिनिधि

**बागली।** नगर के राधा-कृष्ण मंदिर गीता भवन में 26 मई मंगलवार से 28 मई तक तीन दिवसीय 'नानीबाई का मायरा' कथा का आयोजन किया जाएगा। कथा का वाचन गौ सेविका एवं कथा वाचिका शिवानी किशोरी जी झिकड़ाखेड़ा के मुखारविंद से प्रतिदिन शाम 7 बजे से रात्रि 10 बजे तक किया जाएगा। महिला मंडल की संध्या शिवहरे, मंजू यादव, गीता चौधरी एवं दाखा कारपेंटर ने जानकारी देते हुए बताया कि यह धार्मिक आयोजन सार्वजनिक रूप से सभी श्रद्धालुओं के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने नगर सहित आसपास के धर्मप्रेमियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर नानीबाई का मायरा कथा श्रवण कर धार्मिक लाभ प्राप्त करने की अपील की है।

# प्रदेश व्यापी ग्रीष्मकालीन गिद्ध गणना 2026-27 हुई ऑनलाइन

संयुक्त लहर, प्रतिनिधि

**भोपाल।** प्रदेश व्यापी गिद्ध गणना-2026-27 के अंतर्गत ग्रीष्मकालीन गणना 22 मई से 24 मई 2026 तक सूर्योदय से प्रात: 9 बजे तक प्रदेश के सभी 16 वृत्त, 9 टाईगर रिजर्व, वन विकास निगम के क्षेत्रों एवं अन्य संरक्षित क्षेत्रों में गिद्ध गणना का कार्य वन विभाग के अधिकारियों/कर्मचारियों के अतिरिक्त स्वयंसेवकों के सहयोग से गिद्ध गणना ऑनलाइन ऐप के माध्यम से किया गया है, जिससे आंकड़ों का संकलन शीघ्र हो पाया है। मध्यप्रदेश में प्रदेशव्यापी गिद्ध गणना की शुरूआत वर्ष 2016 से की गई थी, जिसमें 7,028 गिद्धों का आंकलन किया गया था। विगत वर्ष 2025 में शीतकालीन एवं ग्रीष्मकालीन गिद्ध गणना की गई थी। इस वर्ष 2026 में भी शीतकालीन गणना की गई है। इस वर्ष ग्रीष्मकालीन गिद्ध गणना ऐप के माध्यम से ऑनलाइन की गई। गणना का कार्य विभिन्न वनमंडलों एवं टाईगर रिजर्व/राष्ट्रीय उद्यानों में सभी स्थानों पर कार्य किया गया। गिद्ध गणना में लगभग 10 हजार 742 गिद्ध पाये गये, जिसमें 9394 वयस्क एवं 1348 किशोर गिद्ध पाये गये। इस वर्ष 10 हजार 742 गिद्ध की संख्या पिछले वर्ष की गिद्ध संख्या 9509 से लगभग 1200 संख्या में ज्यादा है, जो कि बेहतर संरक्षण को इंगित करती है। गिद्धों की गणना के लिये 'ऑनलाइन ऐप' तैयार किया गया है, जिसके माध्यम से गिद्धों की गणना की गई। 'ऐप' के माध्यम से गणना किये जाने पर आंकड़ों के संकलन एवं रिपोर्ट तुरंत लाइव प्राप्त होने से कार्य क्षमता में वृद्धि हुई है। ऐप के माध्यम से गणना किये जाने के लिये मास्टर ट्रेनर्स, अशासकीय संस्थाओं एवं अधिकारियों/कर्मचारियों को ऑनलाइन प्रशिक्षण प्रदान किया गया था। गिद्धों की गणना के लिये गणनाकर्मी एवं स्वयंसेवक आदि सुबह सूर्योदय के तत्काल बाद प्रथम चरण में चयनित गिद्धों के घोंसलों के समीप पहुंच जाते थे। उन्होंने घोंसलों के आसपास बैठे गिद्धों एवं उनके नवजातों की गणना कर ऐप में उसकी जानकारी दर्ज की। गणना में केवल आवास/विश्राम स्थलों पर बैठे हुए गिद्धों को ही गणना में लिया गया। उड़ते हुए गिद्धों को गणना में नहीं लिया गया। इस वर्ष वन विभाग के कर्मचारियों के साथ पूरे प्रदेश के विभिन्न स्थानों में पक्षी विशेषज्ञ, वैज्ञानिक, छात्र एवं स्थानीय नागरिकों ने इस गणना में भाग लिया। कंट्रोल रूम वन विहार राष्ट्रीय उद्यान में बनाया जाकर गणना के बाद डाटा संकलन का कार्य किया जा रहा है।

# नशे की हालत में टॉवर पर चढ़े व्यक्ति को आरक्षक परशुराम रावत ने जान जोखिम में डालकर टॉवर से सुरक्षित नीचे उतारा

संयुक्त लहर, प्रतिनिधि

**भोपाल।** भिण्ड जिले के थाना गोहद चौराहा क्षेत्र में मध्यप्रदेश पुलिस का मानवीय, साहसिक एवं संवेदनशील चेहरा उस समय देखने को मिला, जब एक व्यक्ति शराब के नशे की हालत में भिण्ड रोड किनारे लगे एयरटेल टॉवर पर चढ़ गया। सूचना मिलते ही गोहद चौराहा थाना पुलिस ने तत्काल मौके पर पहुंचकर सूझबूझ, धैर्य और मानवीय संवेदनाओं के साथ कार्यवाही करते हुए व्यक्ति को सुरक्षित नीचे उतारकर एक बड़ी अनहोनी टाल दी। 23 मई को थाना गोहद चौराहा पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि एक व्यक्ति मोबाइल टॉवर पर चढ़ गया है। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी गोहद चौराहा रामनरेश यादव पुलिस बल के साथ तत्काल मौके पर पहुंचे तथा वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया। एसडीओपी गोहद श्री महेन्द्र गौतम ने स्वयं मौके पर पहुंचकर पूरे रेस्क्यू अभियान की कमान संभाली। व्यवस्था एवं सुरक्षा बनाए रखने हेतु थाना प्रभारी गोहद सहित पुलिस बल मौके पर मौजूद रहा। घटना की गंभीरता को देखते हुए कंट्रोल रूम के माध्यम से एसडीआरएफ टीम एवं नगर पालिका गोहद की फायर ब्रिगेड को भी मौके पर बुलाया गया। पुलिस द्वारा टॉवर पर चढ़े व्यक्ति से लगातार मोबाइल फोन एवं शासकीय वाहनों में लगे पी.ए. सिस्टम के माध्यम से संवाद स्थापित किया गया। साथ ही उसके पिता, पत्नी एवं बच्चों से भी बात कराकर उसे सुरक्षित नीचे उतरने के लिए समझाइश दी गई। हालांकि व्यक्ति शराब के नशे में होने के कारण किसी की बात सुनने की स्थिति में नहीं था। स्थिति की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस कर्मचारी, एसडीआरएफ टीम एवं स्थानीय साहसी युवकों की मदद से योजनाबद्ध तरीके से रेस्क्यू अभियान चलाया गया। इस दौरान एसडीआरएफ टीम द्वारा सुरक्षा जाल लगाया गया, वहीं आरक्षक 621 श्री परशुराम रावत ने साहस का परिचय देते हुए अपनी जान की परवाह किए बिना टॉवर पर चढ़कर उक्त व्यक्ति को सुरक्षित अपने कंधे पर बैठाया और रस्सियों के सहारे नीचे उतारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पुलिस की तत्परता एवं साहसिक कार्यवाही के चलते व्यक्ति को सुरक्षित बचा लिया गया। पुलिस द्वारा व्यक्ति का मेडिकल परीक्षण कराकर सुरक्षित परिजनों के सुपुर्द किया गया। मध्यप्रदेश पुलिस लगातार कानून व्यवस्था के साथ-साथ मानवीय संवेदनाओं एवं जनसुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता निभाते हुए हर परिस्थिति में नागरिकों की सुरक्षा के लिए तत्पर है।

# धार भोजशाला आंदोलन में महू का योगदान जरा याद उन्हें भी कर लो जो रुके नहीं जो झुके नहीं जो थमे नहीं शेखर बुंदेला एडवोकेट लोकतंत्र सेनानी महू

संयुक्त लहर, प्रतिनिधि

**मानपुर।** धार भोजशाला मुक्ति आंदोलन में वर्ष 2000 से लेकर 2008 तक का कॉल जन आंदोलन का सबसे क्रांतिकारी और सड़कों पर लड़ा गया आंदोलन था। इस आंदोलन में महू के राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के दो स्वयंसेवक श्री राधे श्याम यादव एवं श्री नवल किशोर शर्मा प्रमुख किरदार थे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने धार के भोजशाला आंदोलन को हिंदू जागरण मंच के माध्यम से जनता के बीच ले जाकर लड़ा था। उसे समय महू के श्री राधे श्याम यादव जो वर्ष 1970 से लगातार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का कार्य करते हुए वर्ष 2000 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के निर्देश पर हिंदू जागरण मंच के प्रदेश संयोजक के नाते धार के आंदोलन में सक्रिय एवं सकारात्मक भूमिका निभा रहे थे। इसी प्रकार महू के तेली गली निवासी बाल्य काल से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक रहे श्री नवल किशोर शर्मा जिन्होंने अपने युवा जीवन की शुरुआत में ही संघ से प्रभावित होकर अपना संपूर्ण जीवन पूर्णकालिक कार्यकर्ता के रूप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को सौंप दिया था।धार की भोजशाला आंदोलन के समय 2000 से 2008 के बीच धार जिले में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला प्रचारक के रूप में दायित्व निभा रहे थे। श्री नवल किशोर शर्मा ने धार अंचल के एक-एक गांव में घूम घूम कर आम जनता को धार के भोजशाला आंदोलन से जोड़ा था। तथा सड़कों पर लाकर बच्चों पुरुषों महिलाओं की फौज सरकार के सामने खड़ी कर दी थी। आंदोलन के दौरान अनेक बार पुलिस की प्रताड़ना भी झेली थी अनेक बार जेल यात्राएं भी की थी। श्री राधे श्याम यादव इंदौर कमिश्नर के कार्यालय के सामने किए गए आंदोलन के बाद फरार घोषित कर दिए गए थे। और उन्हें डेढ़ माह तक अपना घर बार छोड़कर फरारी काटना पड़ी थी। धार के भोजशाला आंदोलन का वर्ष 2000 से लेकर 2008 तक का कॉल जन आंदोलन का सड़क पर लड़ाई लड़ने का समय था। इसी दौरान भोजशाला में पहली बार हर मंगलवार को देवी सरस्वती की पूजा अर्चना करने का अधिकार प्राप्त हुआ था। इसके पूर्व वर्ष में एक बार बसंत पंचमी के दिन ही सरस्वती देवी की पूजा करने का अधिकार हिंदुओं को था धार की भोजशाला के जन आंदोलन में बिना झुके बिना डरे बिना थमे महू के जिन साथियों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया उनमें से एक श्री नवल किशोर शर्मा ने अब संन्यास ग्रहण कर लिया है और वह राम चैतन्य के नाम से सन्यासी बनकर अपना शेष जीवन व्यतीत कर रहे हैं। श्री राधे श्याम यादव महू में भारतीय जनता पार्टी में सक्रिय होकर प्रदेश भारतीय जनता पार्टी की कार्य समिति के सदस्य हैं। तथा प्रदेश भर में भारतीय जनता पार्टी के संगठनको मजबूत करने के लिए कार्य करते रहते हैं। धार भोजशाला की मुक्ति के लिए चलाए गए आंदोलन में न्यायिक दृष्टि से निर्णायक जीत के बाद मनाया जा रहे जश्न के समय महू के इन दोनों साथियों को नमन करता हूं।लेखक महू के शेखर बुंदेला लोकतंत्र सेनानी के साथ ही पूर्व शासकीय वकील, भाजपा के वरिष्ठ नेता व सीनियर एडवोकेट है।

# कौशल विकास प्रशिक्षण 2026-27 के लिए 12 जून तक करें ऑनलाइन आवेदन

संयुक्त लहर, प्रतिनिधि

**भोपाल।** मध्यप्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा वर्ष 2026-27 के लिए कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इच्छुक अभ्यर्थी 12 जून 2026 तक बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। इस योजना के तहत प्रत्येक जिले में सामान्य रूप से 30 प्रशिक्षणार्थियों का चयन किया जाएगा, जिसमें 30 प्रतिशत महिला प्रशिक्षणार्थियों को प्राथमिकता दी जाएगी। आवेदन के लिए अभ्यर्थी का मध्यप्रदेश का मूल निवासी होना और आयु 18 से 45 वर्ष के बीच होना अनिवार्य है। साथ ही आवेदक ने पूर्व में किसी शासकीय विभाग से नि:शुल्क कौशल प्रशिक्षण प्राप्त न किया हो। आवेदन केवल ऑनलाइन माध्यम से स्वीकार किए जाएंगे और जिला स्तरीय समिति द्वारा दस्तावेजों का सत्यापन एवं पात्रता जांच के बाद चयन किया जायेगा। आवेदकों को अपनी रुचि के अनुसार प्राथमिकता क्रम में तीन ट्रेड चुनने होंगे। चयनित प्रशिक्षणार्थियों को आवासीय प्रशिक्षण के दौरान आवास और भोजन की सुविधा नि:शुल्क उपलब्ध कराई जाएगी। प्रशिक्षण समाप्ति के बाद परीक्षा आयोजित कर ग्रेड के अनुसार छात्रवृत्ति भी प्रदान की जाएगी। आवेदन करते समय समग्र आईडी, आधार नंबर और सभी दस्तावेज स्पष्ट एवं सही रूप में अपलोड करना अनिवार्य है तथा समग्र आईडी और ई-केवाईसी संबंधी निर्देशों का पालन करना होगा। अधिक जानकारी और सहायता के लिए अभ्यर्थी हेल्पलाइन नंबर 0755-2552714 पर संपर्क कर सकते हैं। मध्यप्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा कौशल विकास कार्यक्रम 2025-26 के अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों में कुल 39 प्रशिक्षण ट्रेड उपलब्ध कराए गए हैं। प्रशिक्षण की अवधि 15 दिन से लेकर 6 माह तक है।

# आरोग्य भारती ने 4 संस्थाओं के साथ नेत्र परीक्षण शिविर लगाया

संयुक्त लहर, प्रतिनिधि

**इंदौर।** आरोग्य भारती इंदौर महानगर द्वारिका जिला, तुलसीदास सरयूपरिण ब्राह्मण समाज महिला समिति, जैन श्वेतांबर सीनियर सिटीजन सोशल ग्रुप एवं चोइथराम नेत्रालय के संयुक्त तत्वावधान में नि:शुल्क मोतियाबिंद आपरेशन शिविर हंसदास मठ में लगाया गया। नि: शुल्क नेत्र शिविर में शिविर में 87 मरीजों ने अपनी आंखों की जांचे कराई और 11 मरीजों में मोतियाबिंद की शिकायत पाई गई। जिनके नि:शुल्क मोतियाबिंद आपरेशन चोइथराम नेत्रालय अस्पताल में होंगे। साथ ही 65 मरीजों को नजर के चश्मे भी दिए गए ।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महा मंडलेश्वर महंत पवन शर्मा, आरोग्य भारती मालवा प्रांत कार्याध्यक्ष वैद्य लोकेश जोशी थे। शिविर प्रभारी श्रीमती रेखा त्रिपाठी डॉ. रजनी पाण्डेय, मीना काले, रश्मि तिवारी, जगराती दुबे का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम में विशेष अतिथि आरोग्य भारती इंदौर महानगर द्वारिका जिला अध्यक्ष डॉ. आरएन मिश्रा जी, योग आयाम महानगर संयोजक वीरसिंह यादव, रिटा. टीआई शिवमूरत यादव, मीडिया प्रभारी राजेश यादव, केसी जैन, रोशन सिंह चौहान, सरयूपरिण ब्राह्मण समाज से एडवोकेट विनोद द्विवेदी, सचिव राजा तिवारी, शंभूनाथ शुक्ला, कन्नू मिश्रा, डॉ. निलेश दुबे, तीजसिंह चौहान, पंकज काले सहित साथीगण उपस्थित थे।

# नगर रक्षा समिति थाना मानपुर के संयोजक व सदस्यों ने थाना प्रभारी का स्वागत कर मुलाकात की

संयुक्त लहर, प्रतिनिधि

**मानपुर।** शनिवार को मानपुर थाना प्रभारी महेंद्र मकाश्रे का पुष्प माला पहनकर स्वागत किया गया। थाना प्रभारी ने समिति संयोजक श्याम परमार व सदस्यों से चर्चा कर समिति को पुन सक्रिय करने के बात कही। समिति सदस्यों से कहा कि आप लोग सभी पुलिस का अभिन्न अंग है आप सभी सदस्य पूर्व की भांति सुरक्षा व्यवस्था इंतजाम में अपना अमूल्य सहयोग दे। इस अवसर पर नगर रक्षा समिति थाना संयोजक श्याम परमार, असलम समेजा,आनंद सोलंकी, संजू भाटिया, अरविंद सारेल, धर्मेंद्र खड़ा, बाबूलाल भाभर,राहुल हिरवा एवं पुलिस आरक्षक विजय सिंह चौहान आदि मौजूद थे।

# देवास जिला किसान कांग्रेस की कार्यकारिणी का हुआ गठन साथ ही बनाए ब्लॉक अध्यक्ष

संयुक्त लहर, प्रतिनिधि

**हाटपीपल्या।** किसान कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखपाल सिंह खेड़ा एवं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री जीतू पटवारी की प्रदेश किसान कांग्रेस के अध्यक्ष श्री धर्मेंद्र सिंह चौहान से प्राप्त अनुमोदन देवास जिले के वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं की सहमति से देवास जिला किसान कांग्रेस के अध्यक्ष विश्वजीत सिंह चौहान ने देवास जिला किसान कांग्रेस की जिला कार्यकारिणी की घोषणा करते हुए ब्लॉक अध्यक्ष नियुक्त किए। श्री चौहान ने बताया कि जिला कार्यकारिणी में प्रेमनारायण पटेल वरिष्ठ उपाध्यक्ष, यूसूफ पटेल संगठन उपाध्यक्ष, जितेन्द्र सिंह परिहार संगठन महामंत्री,सुनील यादव कोषाध्यक्ष,उपाध्यक्ष महेन्द्र सिंह,अशोक गोयाल,डॉ. सुनिल नागर,डॉ. मुकेश सेंधव,महिपाल सिंह,राहुल पटेल,डॉ. रजनीश वर्मा,भवर सेठ,विजेन्द्र पटेल, जीवन सिंह राजपुत, राजवीर पाटीदार,विजेन्द्र ठाकुर, महामंत्री सुरेन्द्र सेंधव,संजु चौधरी, अशोक मुगलिया,आनंद पटेल, जितेन्द्र गोठी, उमेश पटेल, लक्ष्मीनारायण (चिमना) बांता, आकाश टॉक (सेंधव), अंशराज सेंधव, भागीरथ पटेल ,कालुसिंह गुर्जर, महेश सुनेर, विजेन्द्र सिंह, सिताराम पाटीदार, अकबर पटेल, देवराज परमार,दिलीप तोमर ,कालु सिंह दरबार,कमलेश परमार, रामपाल बेडा, प्रवक्ता देवेन्द्र ठाकुर, मीडिया प्रभारी लाल गुर्जर, सचिव बलराम यादव,इमरान पटेल,लाखन पटेल, भेरूसिंह पटेल,पवन सेंधव,विनोद दरबार,मुलचन्द परमार,जितेन्द्र चौधरी,बलराम पटेल,रामरूप गुर्जर,राजू पडियार,गुरू चरण गुर्जर,मान सिंह दरबार,इलियास खान,अर्जुन गुर्जर,लीलाघर पटेल,नवीन धाकड,तुफान सिंह तॅवर नियुक्त किये गये। साथ ही जीवन पटेल को क्षिप्रा ब्लाक अध्यक्ष तथा हंसराज जाट को बागली ब्लाक अध्यक्ष नियुक्त किया गया। नवनियुक्त पदाधिकारियों को इष्ट मित्रों एवं कांग्रेसजनों ने बधाई दी।

# ग्रामीण खेल और हमारी संस्कृति का भव्य संगम आयोजक दल के सदस्य

संयुक्त लहर, प्रतिनिधि

**मानपुर।** जूंनी स्कूल मानसिंह भवन मैदान मानपुर पर मिनी वॉलीबॉल एवं दढ़ी बॉल टूर्नामेंट 2026' का बेहद भव्य और शानदार शुभारम्भ हो चुका है। मैच भी प्रारम्भ हो गए है। यह टूर्नामेंट केवल एक खेल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि ग्रामीण अंचलों में पिछले 5 दशकों 50 साल से पुराने पारंपरिक खेल को जीवंत रखने का एक अद्भुत और सराहनीय प्रयास है। हमारे वरिष्ठ मार्गदर्शकों ने मैदान पर अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज करवाकर इस आयोजन में चार चांद लगा दिए है। । यह पूरा आयोजन नगर के योगेश श्रीवास की स्मृति को समर्पित है।जो नई पीढ़ी के युवाओं में खेल के प्रति उत्साह जगाने का काम कर रहा है। क्षेत्र की 12 चुनिंदा टीमें इस बार मैदान में अपना दम-खम दिखा रही हैं। मैच के रोमांच को दोगुना करने के लिए मैदान पर विशेष डी.जे. साउंड, लाइव कमेंट्री और दर्शकों के लिए पानी की शानदार व्यवस्था की गई है। टूर्नामेंट समापन: 27 मई 2026होगा। नितिन राजेश मुदगल ने खेल प्रेमियों से अपील करते हुए कहा है की हम सब मिलकर स्थानीय खेल प्रतिभाओं का हौसला बढ़ाएं और अपनी इस अनूठी खेल परंपरा को आगे ले जाएं।

# एसपी पुनीत गेहलोद की समीक्षा बैठक, कोर्ट मुंशी-वारंट मुंशी को ऑनलाइन तामील व रिकॉर्ड अपडेट के निर्देश

## कोर्ट कार्य में आधुनिक तकनीक का समावेश, एसपी पुनीत गेहलोद ने दी सख्त हिदायत

संयुक्त लहर, प्रतिनिधि

**देवास।** जिले में न्यायालयीन कार्यों को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और तकनीक आधारित बनाने की दिशा में पुलिस अधीक्षक पुनीत गेहलोद द्वारा जिले के समस्त कोर्ट मुंशी, वारंट मुंशी एवं कोर्ट मोहर्रिर की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में न्यायालयीन कार्यों की गति और गुणवत्ता सुधारने को लेकर विस्तृत दिशा-निर्देश दिए गए। पुलिस अधीक्षक ने निर्देशित किया कि न्यायालय द्वारा जारी सभी समन एवं वारंट को ऑनलाइन अपलोड कर समयबद्ध ऑनलाइन तामील सुनिश्चित की जाए। साथ ही प्रतिदिन न्यायालय से जारी आदेशों को थाना रिकॉर्ड में नियमित रूप से अपडेट करने के निर्देश भी दिए गए, जिससे न्यायालयीन प्रक्रियाओं में किसी प्रकार की लापरवाही न हो। बैठक में परंपरागत पुलिसिंग के साथ आधुनिक तकनीकी संसाधनों को अपनाने पर विशेष जोर दिया गया। पुलिस कर्मियों को डिजिटल कार्यप्रणाली, रिकॉर्ड संधारण एवं न्यायालयीन दायित्वों के प्रभावी निर्वहन संबंधी प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इसके अलावा न्यायालय परिसर में गरिमापूर्ण आचरण, अनुशासन एवं पेशेवर व्यवहार बनाए रखने के संबंध में भी आवश्यक मार्गदर्शन दिया गया। एसपी ने स्पष्ट किया कि न्यायालयीन कार्य पुलिस व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसमें समयबद्धता, जवाबदेही और शालीनता अत्यंत आवश्यक है।

# थाना नौगांव पुलिस को हत्या के प्रयास के प्रकरण में 05 आरोपियों को गिरफ्तार करने में मिली महत्वपूर्ण सफलता

संयुक्त लहर, प्रतिनिधि

घटना का संक्षिप्त विवरण दिनांक 20.05.2026 को फरियादिया गायत्री राठौड़ द्वारा थाना नौगांव में रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि वह अपने मित्र अभयसिंह कुशवाह के साथ एक्टिवा से घर लौट रही थी। कोर्ट रोड घाटी के पास कुछ अज्ञात युवकों ने उनकी एक्टिवा रोककर अभयसिंह के साथ गाली-गलौज करते हुए डण्डों एवं लात-घूंसों से मारपीट की, जिससे उसे गंभीर चोटें आईं। घायल को उपचार हेतु अस्पताल में भर्ती कराया गया। रिपोर्ट पर थाना नौगांव में अपराध क्रमांक 173/2026 धारा 126(2), 296( ), 115(2), 3(5) बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया गया। बाद में धारा 109(1) बीएनएस का इजाफा किया गया। पुलिस कार्यवाही घटना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस द्वारा सीसीटीवी फुटेज एवं मुखबिर सूचना के आधार पर आरोपी शुभम एवं अंकित को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि मनिष पंवार द्वारा एकतरफा प्रेम प्रसंग के चलते अपने साथियों के साथ मिलकर मारपीट की साजिश रची गई थी। पुलिस द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए आरोपी संदीप, योगेश एवं राहुल को भी गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपी 1. अंकित पिता कालुसिंह निनामा, जाति भील, उम्र 22 वर्ष, निवासी भरावदा चौकी दसई थाना अमझेरा 2. शुभम पिता शैलेन्द्र चौहान, जाति भील, उम्र 18 वर्ष 6 माह, निवासी कोर्ट के पीछे हाथीथान 3. संदीप पिता संतोष परमार, जाति भील, उम्र 20 वर्ष, निवासी गयड़ावद थाना तिरला 4. योगेश पिता दिनेश डोडियार, जाति भील, उम्र 21 वर्ष, निवासी पिपलदा 5. राहुल पिता विष्णु वसुनिया, जाति भील, उम्र 22 वर्ष, निवासी खिलचीपुरा फरार आरोपी 1. मनिष पंवार पिता नरसिंह पंवार जाति लोहार निवासी रामकृष्ण नगर धार 2. गौतम पिता सुनील डामोर निवासी हाथीथान थाना नौगांव आपराधिक प्रकरण थाना नौगांव पर अपराध क्रमांक 173/2026 धारा 126(2), 296( ), 115(2), 3(5), 109(1) बीएनएस के तहत प्रकरण पंजीबद्ध है। सराहनीय कार्य उक्त कार्यवाही में निरीक्षक हिरुसिंह रावत, थावर सिंह गहलोत, देवेन्द्र परमार, अनिल बीसी, राजेश पाटीदार साइबर सेल प्रभारी प्रशांत गुंजाल प्रधान आरक्षक सर्वेश सिंह सोलंकी, सुरज तिवारी आरक्षक दिलीप यादव, प्रशांत सिंह चौहान का सराहनीय भूमिका रही।

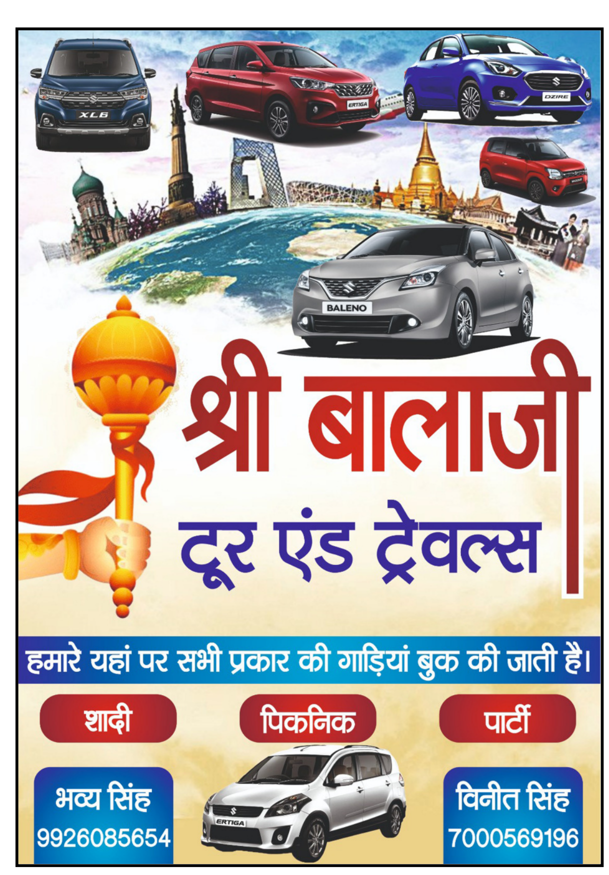

# उज्जैन-भोपाल हाईवे पर नरवर टोल के पास यात्रियों की परेशानी दूर, देवास पुलिस ने लगाए स्पष्ट संकेतक

**संयुक्त लहर, प्रतिनिधि**

**देवास।** उज्जैन-भोपाल हाईवे पर नरवर टोल के समीप इंदौर एवं भोपाल के लिए अलग-अलग डायवर्सन होने से यात्रियों और वाहन चालकों को हो रहे असमंजस को दूर करने के लिए देवास पुलिस द्वारा स्पष्ट दिशा संकेतक लगाए गए हैं। नरवर टोल के पास कई वाहन चालक मार्ग को लेकर भ्रमित हो रहे थे, जिससे आवागमन में परेशानी की स्थिति बन रही थी। इसे देखते हुए देवास पुलिस ने मौके पर स्पष्ट जानकारी देने वाले संकेतक स्थापित किए हैं। अब उज्जैन की ओर से आने वाले राहगीरों एवं वाहन चालकों को इंदौर जाने के लिए ब्रिज के ऊपर से तथा भोपाल/देवास जाने के लिए ब्रिज के साइड मार्ग से जाने संबंधी स्पष्ट दिशा-निर्देश संकेतकों के माध्यम से दिए जा रहे हैं। इस पहल से यात्रियों को सही मार्ग चुनने में आसानी होगी और अनावश्यक भ्रम एवं यातायात अव्यवस्था की स्थितिमें कमी आने की उम्मीद है।

# मंत्री विश्वास सारंग ने किया करोड़ों की लागत से होने वाले विकास कार्यों का भूमि-पूजन

**संयुक्त लहर, प्रतिनिधि**

**भोपाल।** सहकारिता, खेल और युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने रविवार को नरेला विधानसभा अंतर्गत वार्ड 78, विश्वकर्मा नगर में 23 करोड़ से अधिक की लागत से होने वाली सीवेज परियोजना एवं अन्य विकास कार्यों का भूमि-पूजन किया। मंत्री श्री सारंग ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य सरकार मध्यप्रदेश में विकास और जनकल्याण के नए आयाम स्थापित कर रही है। हर वर्ग के कल्याण और हर क्षेत्र का समुचित विकास सरकार की प्राथमिकता है। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि हमारा लक्ष्य केवल विकास कार्य करना नहीं बल्कि प्रत्येक नागरिक के जीवन को सुगम भी बनाना है। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि इस परियोजना से स्वच्छता व्यवस्था बेहतर होगी, जलभराव एवं गंदगी की समस्या से राहत मिलेगी तथा नागरिकों को स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण प्राप्त होगा। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। वार्ड 78 स्थित विश्वकर्मा नगर में 23 करोड़ से अधिक की लागत से निर्माण होने वाली इस परियोजना के अंतर्गत 13 करोड़ रुपये की लागत से 42 किलोमीटर लंबा सीवर नेटवर्क बनाया जाएगा तथा 9 करोड़ रुपये की लागत से 8079 हाउस सीवर कनेक्शन प्रदान किए जाएंगे, जिससे लगभग 35,306 नागरिकों को प्रत्यक्ष लाभ प्राप्त होगा। परियोजना पूर्ण होने के बाद क्षेत्रवासियों को बेहतर स्वच्छता, आधुनिक सीवेज व्यवस्था और सुगम नागरिक सुविधाएं प्राप्त होंगी। इससे न केवल जनजीवन अधिक सरल एवं सुविधाजनक बनेगा बल्कि क्षेत्र के समग्र विकास को भी नई दिशा मिलेगी।

# दोस्त ही निकला कातिल, अंधे कत्ल का पुलिस ने किया खुलासा

**संयुक्त लहर, अमित शर्मा**

**झाबुआ।** पेटलावद थाना क्षेत्र के बामनझीरी मोड़ पर मिले युवक के शव मामले में झाबुआ पुलिस ने अंधेकत्ल का खुलासा करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस जांच में सामने आया कि युवक की हत्या उसके ही मित्र ने की थी। जानकारी के अनुसार चंवरापाड़ा निवासी ईश्वर पारगी ने अपने भाई शांतु पारगी के लापता होने की सूचना पुलिस को दी थी। 18 मई को शांतु का शव बामनझीरी क्षेत्र में मिला, जिसके चेहरे पर गंभीर चोटों के निशान थे। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू की तथा पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर हत्या का प्रकरण दर्ज किया। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक देवेंद्र पाटीदार ने स्वयं घटनास्थल का निरीक्षण कर पुलिस टीम को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रतिपाल सिंह महोबिया एवं एसडीओपी अनुरक्ति साबनानी के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी निर्भयसिंह भूरिया के नेतृत्व में गठित टीम ने जांच शुरू की। के दौरान पुलिस को पता चला कि मृतक घटना वाले दिन अपने मित्र दिनेश उर्फ दितिया मोरी के साथ देखा गया था। घटनास्थल से शराब के क्वार्टर, पानी की बोतल सहित अन्य साक्ष्य मिलने पर पुलिस का संदेह आरोपी पर गहराया। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने आरोपी दिनेश मोरी को गिरफ्तार कर पूछताछ की, जिसमें उसने हत्या करना स्वीकार कर लिया। आरोपी ने बताया कि मृतक उसकी गैरमौजूदगी में उसके घर आता-जाता था, जिससे वह नाराज था। इसी रंजिश के चलते उसने शराब पार्टी के बहाने शांतु को सुनसान स्थान पर ले जाकर टामी से हमला कर मौत के घाट उतार दिया। पुलिस की इस कार्रवाई में थाना पेटलावद पुलिस एवं साइबर सेल टीम की विशेष भूमिका रही।

# कयडावद बड़ी में आबकारी विभाग का बड़ा छापा, 11.50 लाख की अवैध शराब जप्त

**संयुक्त लहर, अमित शर्मा**

**झाबुआ।** जिले में अवैध शराब के कारोबार पर रोक लगाने के लिए आबकारी विभाग द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में शनिवार को ग्राम कयडावद बड़ी के तीतरिया फलिया में आबकारी विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 11 लाख 50 हजार रुपये से अधिक मूल्य की विदेशी शराब जप्त की। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट एवं उपायुक्त आबकारी संभागीय उड़नदस्ता इंदौर श्री इंदरसिंह जामोद के निर्देश पर जिला आबकारी अधिकारी श्रीमती बसंती भूरिया के निर्देशन में यह कार्रवाई की गई। मुखबिर की सूचना पर आबकारी दल ने एक संदिग्ध मकान की तलाशी ली, जहां भारी मात्रा में अवैध विदेशी मदिरा रखी मिली। कार्रवाई के दौरान मैजिक मोमेंट वोडका की 52 पेटी, लंदन प्राईड व्हिस्की की 20 पेटी, लंदन प्राईड वोडका की 20 पेटी तथा रॉयल स्टेग व्हिस्की की 22 पेटी सहित कुल 114 पेटी विदेशी शराब जप्त की गई। जप्त शराब की कुल मात्रा 984.96 बल्क लीटर बताई गई है। मौके से आरोपी रमण पिता जोगड़ा डामोर निवासी ग्राम कयडावद बड़ी फरार हो गया। आरोपी के विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम की धारा 34(1)(क) एवं 34(2) के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। कार्रवाई सहायक जिला आबकारी अधिकारी श्री महादेव सोलंकी के मार्गदर्शन में आबकारी उपनिरीक्षक श्री अकलेश सोलंकी द्वारा की गई। टीम में श्रीराम शर्मा, सोहन नायक, पवन गाडरिया, विजय चौहान, वाहन चालक दीपक एवं बहादुर का विशेष योगदान रहा।

# बुजुर्ग महिला से घर में घुसकर मारपीट, आदतन अपराधी सहित 5 पर मामला दर्ज

**संयुक्त लहर, प्रतिनिधि**

**लोहारदा।** नगर लोहारदा क्षेत्र में एक 65 वर्षीय बुजुर्ग महिला के साथ घर में घुसकर मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने शिकायत और जांच के बाद पांच आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार फरियादी ने शिकायत में बताया कि उनके घर के सामने खड़े वाहन को टक्कर मारने के बाद विवाद शुरू हुआ। आरोप है कि इसके बाद राजेश बराया उर्फ सूर्या ओर उसकी पत्नी, राजेश पिता बसंत यादव,ओर दो अन्य ने घर में घुसकर महिला के साथ एवं उनके पुत्र के साथ मारपीट की। फरियादी के आवेदन पर पुलिस ने जांच उपरांत अपराध क्रमांक-0198/2026 आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की धारा 115(2), 281, 296(बी), 3(5), 333 एवं 351(3) के तहत मामला दर्ज किया है। फरियादी पक्ष का आरोप है कि शिकायत देने के बाद से ही उन्हें लगातार जान से मारने की धमकियां दी जा रही हैं। पीड़ित परिवार ने अपनी जान-माल की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई है। स्थानीय लोगों के अनुसार राजेश बराया उर्फ सूर्या क्षेत्र का आदतन अपराधी माना जाता है, जिसके खिलाफ पूर्व में विभिन्न थानों में जुआ, मारपीट और अन्य मामलों में कई अपराध दर्ज बताए जा रहे हैं। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

# महिला जिला अध्यक्ष की सूची पर भाजपा में बवाल, महिलाओं की अनदेखी से बढ़ा असंतोष

**संयुक्त लहर, मुकेश ठक्कर**

**खरगोन।** जिला स्तरीय समितियों और बोर्डों में अशासकीय सदस्यों की नामांकन सूची को लेकर भाजपा संगठन में असंतोष खुलकर सामने आने लगा है। महिला जिला अध्यक्ष नंदा ब्रह्माने के प्रभाव वाली इस सूची पर पक्षपात और महिलाओं की अनदेखी के आरोप लग रहे हैं। कार्यकर्ताओं का कहना है कि महिला नेतृत्व होने के बावजूद सूची में महिलाओं को पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं मिला, जिससे महिला मोर्चा और पुराने कार्यकर्ताओं में नाराजगी बढ़ गई है। पार्टी कार्यकर्ताओं का आरोप है कि कई ऐसे नामों को दोबारा समितियों में शामिल किया गया है जिन्हें पहले भी अवसर मिल चुका है, जबकि वर्षों से संगठन में सक्रिय और समर्पित कार्यकर्ताओं को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया गया। इससे संगठन के भीतर 'अपने लोगों को एडजस्ट' करने की चर्चा तेज हो गई है। महिला मोर्चा से जुड़ी पदाधिकारियों का कहना है कि चुनाव से लेकर बूथ स्तर तक महिलाओं ने लगातार पार्टी के लिए काम किया, लेकिन अवसर देने की बारी आई तो उन्हें ही सूची से बाहर कर दिया गया। इसे लेकर संगठन के भीतर सवाल उठ रहे हैं कि आखिर महिला जिला अध्यक्ष के नेतृत्व में बनी सूची में महिलाओं की भागीदारी नगण्य क्यों रही। सूत्रों के मुताबिक सूची जारी होने के बाद कई वरिष्ठ कार्यकर्ताओं और महिला पदाधिकारियों में गहरी नाराजगी है। कार्यकर्ताओं का कहना है कि समितियों का गठन सामाजिक और संगठनात्मक प्रतिनिधित्व के लिए होना चाहिए, न कि राजनीतिक उपकार चुकाने के लिए। अब इस पूरे मामले पर भाजपा के जिला और प्रदेश नेतृत्व की नजर टिकी हुई है। कार्यकर्ताओं का मानना है कि यदि समय रहते असंतोष दूर नहीं किया गया तो इसका असर संगठन की एकजुटता पर पड़ सकता है।

# हमारे नगर को ना लगे किसी की नजरः राजेश बजाज, शांति समिति बैठक में गूंजी भाईचारे की मिसाल

**संयुक्त लहर, नूर मोहम्मद शेख**

**बागली।** आगामी ईद उल अदा पर्व को लेकर बागली थाना परिसर में शांति समिति (अमन कमेटी) की महत्वपूर्ण बैठक थाना प्रभारी मनोज सिंह के नेतृत्व में संपन्न हुई। बैठक में नगर के नागरिकों, समाज प्रतिनिधियों एवं प्रबुद्धजनों के साथ त्योहार को सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक के दौरान थाना प्रभारी मनोज सिंह ने अपनी विभिन्न पदस्थापनाओं के अनुभव साझा करते हुए विषम परिस्थितियों में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के प्रसंग बताए। इस दौरान पूर्व व्यापारी संघ अध्यक्ष राजेश बजाज ने भावुक अंदाज में कहा, 'हमारे नगर को ना लगे किसी की नजर, यह नगर रियासतकालीन समय से ही एकता, भाईचारे और सामाजिक सौहार्द की मिसाल रहा है।' उनके इस वक्तव्य का उपस्थित नागरिकों ने तालियों की गड़गड़ाहट से समर्थन किया। नगर की आपसी एकजुटता और भाईचारे का वातावरण देख थाना प्रभारी भी प्रसन्न नजर आए। मुस्लिम समाज की ओर से इकबाल शाह एवं कादर खान ने ईद उल अदा की नमाज एवं व्यवस्थाओं की जानकारी साझा की। वहीं थाना प्रभारी ने ऑपरेशन त्रिनेत्रम के तहत नगर में सीसीटीवी कैमरों की उपयोगिता, सुरक्षा व्यवस्था और नागरिक सहभागिता पर विस्तार से चर्चा करते हुए सतर्कता एवं सहयोग का संदेश दिया। अमन कमेटी की बैठक में पूर्व बार एसोसिएशन अध्यक्ष महेंद्र पाटीदार, मुकेश गुर्जर, राजकुमार ईनाणी, राजेश बजाज, विनय बोथरा, कमल जायसवाल, किशोर गुर्जर, धर्मेंद्र गुरु, शिवाजी यादव, अधिवक्ता शेखर मराठा, शराफत अली रहीस अब्बा सहित बड़ी संख्या में समाजसेवी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित।

# मयंक सिंह भदौरिया का राजपूत समाज चेतना मंडल द्वारा भव्य सम्मान

**संयुक्त लहर, हरिहर सिंह चौहान**

**इंदौर।** राजपूत समाज चेतना मंडल के तत्वावधान में आज अमलतास कॉरपोरेट ऑफिस, ए. बी. रोड इंदौर में एक गरिमामय सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में श्री मयंक सिंह भदौरिया अमलतास एजुकेशनल वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष को मध्य प्रदेश दिव्यांगजन आयुक्त समिति का सदस्य मनोनीत किए जाने पर राजपूत समाज द्वारा भव्य रूप से सम्मानित किया गया। राजपूत समाज चेतना मंडल के राष्ट्रीय संयोजक श्री रतनसिंह राजपूत के नेतृत्व में समाज के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने श्री मयंक सिंह भदौरिया को साफा बांधकर, शाल

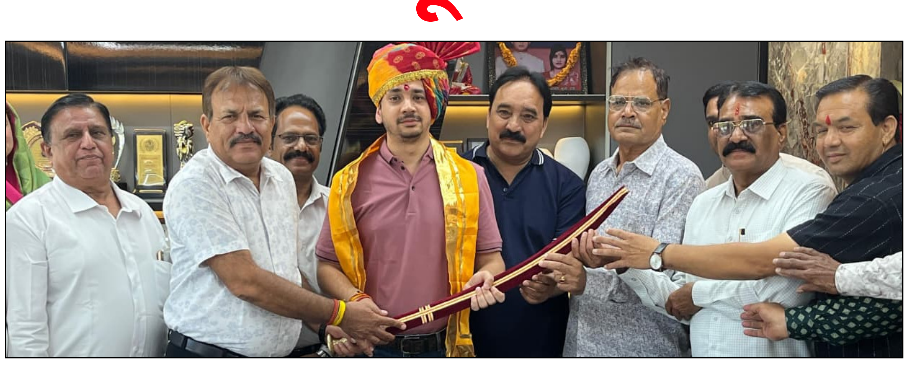

ओढ़ाकर एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया। समाज की परंपरा अनुसार इस अवसर पर श्री भदौरिया को सम्मान स्वरूप प्रतीकात्मक तलवार भी भेंट की गई। श्री मयंक सिंह भदौरिया के मनोनयन पर उपस्थित सभी पदाधिकारियों ने हर्ष व्यक्त किया और कहा कि यह नियुक्ति न केवल राजपूत समाज बल्कि संपूर्ण दिव्यांगजन समुदाय के लिए गौरव का विषय है। वक्ताओं ने विश्वास जताया कि श्री भदौरिया अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा से करेंगे और दिव्यांगजनों के कल्याण हेतु प्रभावी कार्य करेंगे। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष श्री राजेशसिंह तोमर, शहर अध्यक्ष एडवोकेट गजराजसिंह सोलंकी, जिला अध्यक्ष ग्रामीण श्री दुलेसिंह राठौड़, महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष श्रीमती मोनिका बैस, प्रदेश उपाध्यक्ष श्री अनुपालसिंह चौहान, कोषाध्यक्ष श्री चंदरसिंह तोमर, प्रचार प्रमुख श्री भारतसिंह चौहान, संगठन महामंत्री श्री मनोज ठाकुर, सहसचिव श्री अर्जुनसिंह एवं श्री राहुलसिंह परिहार सहित समाज के अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

# पैपराजी से चेहरा छिपाती नजर आईं आलिया, फैंस ने लगाईं तमाम अटकलें

आलिया भट्ट जब कभी भी मुंबई में नजर आती हैं तो पैपराजी के सामने आकर पोज देती हैं। लेकिन हाल ही में वह पैपराजी से अपना चेहरा छिपाती दिखीं। इस वीडियो को देखकर फैंस तमाम तरह की अटकलें लगा रहे हैं। कान फिल्म फेस्टिवल में आलिया भट्ट के कई लुक फैंस को भाए, वहीं पैपराजी के बीच उनकी फोटो लेने की होड़ दिखी। अब वह भारत लौट आई हैं। हाल ही में मुंबई से सामने एक वायरल वीडियो में आलिया भट्ट अपना चेहरा छिपा रही हैं। यह वीडियो देखकर उनके फैंस की चिंता बढ़ गई है। जानिए, फैंस ने किस तरह के रिएक्शन आलिया के वायरल वीडियो पर दिए हैं। आलिया भट्ट एक वायरल वीडियो में कैप और मास्क पहने दिख रही हैं। वह एक जगह से बाहर आती हैं और तेजी से अपनी कार में बैठ जाती हैं। कार में भी वह मुंह नीचे करके बैठती हैं। इस दौरान पैपराजी आलिया का नाम पुकारते रहते हैं लेकिन वह कोई रिएक्शन नहीं देती हैं। फैंस ने जब आलिया भट्ट का वायरल वीडियो देखा तो उन्हें एक खास बात का शक हुआ। कई फैंस का मानना है कि आलिया ने शायद कॉस्मेटिक सर्जरी करवाई है। एक फैन ने तो इसे आलिया का गलत फैसला ही बता दिया। वहीं किसी सोशल मीडिया यूजर्स को लगता है कि उन्होंने कॉस्मेटिक प्रोसिजर करवाया है और बोटॉक्स के इंजेक्शन लिए हैं। वहीं कुछ फैंस ने आलिया का बचाव किया और चेहरा छिपाने को उनकी मर्जी बताया। आलिया भट्ट अपने कान फिल्म फेस्टिवल के लुक को लेकर पिछले दिनों चर्चा में रहीं, साथ ही उनकी एक फिल्म 'अल्फा' भी सुर्खियों में है। इस फिल्म में उनके साथ शरवरी वाघ भी नजर आएंगी। यह एक स्पाई, एक्शन ड्रामा फिल्म है। इस साल जुलाई महीने में यह फिल्म रिलीज हो सकती है।

# दिल्ली वालों ने अनुपम खेर पर लुटाया प्यार

अभिनेता अनुपम खेर अपने नाटक 'जाने पहचाने अनजाने' के लिए राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में हैं। यहां दर्शकों ने उन्हें खूब प्यार दिया। एक्टर को डबल स्टैंडिंग ओवेशन मिला। इस प्यार और सम्मान को पाकर अनुपम खेर गदगद हैं। अनुपम खेर ने अपनी अभिनय यात्रा थिएटर से शुरू की। अभिनय की बारीकी उन्होंने एनएसडी से सीखीं। फिल्मों में शानदार काम करने और अच्छा मुकाम हासिल करने के बावजूद उन्होंने थिएटर नहीं छोड़ा। आज भी वे रंगमंच की दुनिया से जुड़े हैं। अपने नाटक 'जाने पहचाने अनजाने' के सिलसिले में इन दिनों ने दिल्ली आए हैं, जहां उन्हें दर्शकों से खूब प्यार मिला है। अभिनेता ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए खुशी साझा की है। दिल्ली में अपने नाटक 'जाने पहचाने अनजाने' के लिए उन्हें लगातार दो बार स्टैंडिंग ओवेशन मिला। सोशल मीडिया पर यह जानकारी साझा करते हुए अनुपम खेर ने राजधानी के दर्शकों का आभार जताया। यह नाटक दिल्ली के कमानी ऑडिटोरियम में खचाखच भरे हॉल में शुरू हुआ था। अनुपम खेर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से कुछ झलकियां साझा की हैं। अनुपम खेर ने पोस्ट साझा करते हुए लिख । है, 'दो अलग-अलग शो। दो बिल्कुल अलग तरह के दर्शक, लेकिन एक जोरदार 'स्टैंडिंग ओवेशन'। यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि कल हमने 'जाने पहचाने अनजाने' के लिए दो खचाखच भरे हॉल में परफॉर्म किया। हंसी-मजाक, खामोशी, भावनाएं और आखिर में दर्शकों का प्यार...,इन सबने मिलकर इस रात को यादगार बना दिया।

# 'शक्तिमान' पर आधारित होगी अल्लू अर्जुन की अगली फिल्म चर्चाओं पर अब मेकर्स ने दी प्रतिक्रिया

दर्शक लंबे वक्त से अपने पसंदीदा सुपरहीरो 'शक्तिमान' की कहानी को बड़े पर्दे पर देखने के लिए उत्सुक हैं। अब ऐसी चर्चाएं हैं कि अल्लू अर्जुन की अगली फिल्म 'शक्तिमान' पर आधारित होगी। 90 और 2000 के दशक में बच्चों के लोकप्रिय शो 'शक्तिमान' की आज भी जबरदस्त फैन फॉलोइंग है। यही कारण है कि काफी वक्त से शक्तिमान पर फिल्म बनाने की चर्चाएं भी चल रही हैं। रणवीर सिंह का नाम भी इसके लिए आगे आता रहा है, लेकिन मुकेश खन्ना रणवीर के नाम पर सहमत नहीं हुए। इस बीच ऐसी भी चर्चाएं सामने आईं कि अल्लू अर्जुन की बेसिल जोसेफ के साथ मच अवेटेड आगामी फिल्म 'शक्तिमान' पर ही आधारित है। बेसिल इससे पहले 2021 में आई टोविनो थॉमस की सुपरहीरो फिल्म 'मिन्नल मुरली' बना चुके हैं। यह फिल्म काफी सफल रही थी। हालांकि, खबरों के वायरल होने के बाद अब मेकर्स ने अल्लू अर्जुन की इस मच अवेटेड फिल्म को लेकर स्पष्टीकरण जारी किया है। क्लब एफएम 94.3 पर बात करते हुए निर्देशक अरुण अनिरुधन, जिन्होंने टोविनो और बेसिल की हालिया फिल्म 'अथिराडी' का निर्देशन किया है, ने फिल्म निर्माता-अभिनेता के साथ शक्तिमान पर काम करने के बारे में बात की। उन्होंने कहा, 'पॉलसन (स्कारिया) और मैं बेसिल की अगली फिल्म की पटकथा लिख रहे थे। दुर्भाग्य से इसकी शूटिंग शुरू नहीं हो पाई। शक्तिमान एक बहुत बड़ी फिल्म बनने वाली थी। मुझे नहीं पता कि यह बनेगी या नहीं, मामला काफी पेचीदा है।' जब उनसे पूछा गया कि क्या वे जिस प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं, जिसकी अभी घोषणा नहीं हुई है वह शक्तिमान है इस पर निर्देशक ने जवाब देते हुए स्पष्ट किया कि नहीं, इसका शक्तिमान से कोई संबंध नहीं है। यह कुछ अलग है। फिल्म से जुड़े सभी अपडेट जल्द ही साझा किए जाएंगे। हाल ही में जब सिनेउलगाम से बातचीत के दौरान बेसिल जोसेफ से अर्जुन के साथ उनकी और अल्लू अर्जुन की आगामी फिल्म के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने टालमटोल भरा जवाब दिया था। उन्होंने कहा था, 'जो होगा देखा जाएगा।' जब उनसे पूछा गया कि क्या यह शक्तिमान है, तो उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा नहीं कहा। हालांकि, उन्होंने फिल्म से जुड़ी अधिक जानकारी देने से साफ इनकार करते हुए कहा था कि फिलहाल इस बारे में बात नहीं कर सकते क्योंकि यह एक प्रक्रिया है जो अनिश्चितता से भरी है। सही समय आने पर वे इस बारे में बात करेंगे।

# वाशु भगनानी के साथ विवाद के बीच बोले रमेश तौरानी, कहा- 'है जवानी तो इश्क होना है' की रिलीज पर नहीं पड़ेगा असर

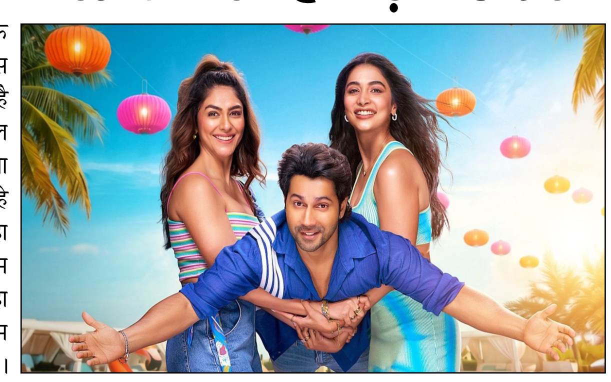

फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' और निर्माता वाशु भगनानी के बीच विवाद चल रहा है। इस बीच निर्माता रमेश तौरानी ने कहा है कि इस विवाद का असर फिल्म की रिलीज पर नहीं पड़ेगा। अपकमिंग फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' जल्द ही सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। हाल ही में इसका ट्रेलर रिलीज हुआ है। ट्रेलर लॉन्च के मौके पर इसके निर्माता रमेश तौरानी ने फिल्म और प्रोड्यूसर वाशु भगनानी के बीच चल रहे विवाद पर बात की है। उन्होंने कहा कि इस मामले को सुलझाया जा रहा है। इसका फिल्म के प्रमोशन या रिलीज पर कोई असर नहीं पड़ेगा। फिल्म और वाशु भगनानी के बीच चल रहे विवाद के बारे में रमेश तौरानी ने कहा 'इसमें कोई दिक्कत नहीं है। जो भी मसला था, वह सुलझ गया है। फिल्म के प्रमोशन से जुड़ी कोई भी एक्टिविटी या फिल्म की रिलीज नहीं रुकेगी। आगे जो भी होगा, उसे भी सुलझा लिया जाएगा। इसलिए, कोई दिक्कत नहीं है। यह मामला अभी कोर्ट में है। हम इसे संभाल रहे हैं।' हाल ही निर्माता वाशु भगनानी ने आरोप लगाया कि उनकी एक फिल्म से जुड़े गानों को उनकी इजाजत के बिना दोबारा बनाया और इस्तेमाल किया गया है। प्रोड्यूसर ने फिल्ममेकर डेविड धवन के इस मामले में कथित तौर पर शामिल होने पर निराशा जताई। डेविड धवन पर आरोप है कि उन्होंने 'है जवानी तो इश्क होना है' फिल्म के लिए उनकी फिल्मों के गानों को दोबारा बनाया है। भागनानी ने आरोप लगाया कि इस प्रोजेक्ट से जुड़ा पहले का ट्रेलर लॉन्च किसी तकनीकी खराबी की वजह से रद्द नहीं हुआ था। , बल्कि चल रही कानूनी कार्यवाही से जुड़ी चिंताओं के कारण रद्द किया गया था। कानूनी लड़ाई के बावजूद, भगनानी ने कहा कि वे फिल्म की रिलीज के खिलाफ नहीं हैं। वह बातचीत और समझौते के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा 'मेरे विजुअल्स हटा दो, मेरे साथ कोई डील कर लो, या फिर इजाजत ले लो। मैं बस यही मांग रहा हूं।' भगनानी ने आगे कहा 'मेरी लड़ाई मेरे लिए नहीं है। मेरी लड़ाई जनता के लिए है। यह न्याय और एथिक्स (नैतिकता) के बारे में है।' इस बीच, शनिवार को 'है जवानी तो इश्क होना है' का ट्रेलर रिलीज किया गया। इसमें वरुण धवन, मृणाल ठाकुर और पूजा हेगड़े अहम किरदारों में हैं। इसमें राकेश बेदी, चंकी पांडे, जिमी शेरगिल और मौनी रॉय भी होंगी। यह फिल्म 5 जून, 2026 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। **( एजेंसी )**

# बॉबी देओल ने शेखर सुमन के बेटे को किया याद, निधन पर कही इमोशनल बात; बोले- 'आपने कितना दर्द सहा होगा...'

हाल ही में एक्टर बॉबी देओल, शेखर सुमन के शो 'शेखर टुनाइट' में पहुंचे, जहां उन्होंने अपने पिता धर्मेंद्र को याद किया। साथ ही एक्टर ने काफी इमोशनल बातें शेयर कीं। शेखर सुमन के शो 'शेखर टुनाइट' में अभिनेता बॉबी देओल अपने पिता धर्मेंद्र को याद करते हुए भावुक हो गए। बातचीत के दौरान बॉबी ने कहा कि आज भी लोग उनके पिता को याद करके इमोशनल हो जाते हैं। शो में शेखर सुमन से बात करते हुए बॉबी देओल ने अपने पिता धर्मेंद्र के जाने के बाद आई खालीपन की भावना के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि धर्मेंद्र सिर्फ उनके परिवार ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के बेहद प्यारे इंसान थे। बातचीत के दौरान शेखर सुमन ने पिता की तुलना एक विशाल पेड़ से की, जिसकी छांव में पूरा परिवार खुद को सुरक्षित महसूस करता है। उन्होंने कहा कि जब वह साया सिर से हट जाता है, तो जिंदगी में एक बड़ा खालीपन आ जाता है। इस पर जवाब देते हुए बॉबी ने सबसे पहले शेखर सुमन के निजी दुख का जिक्र किया। उन्होंने कहा, 'आपने अपनी जिंदगी में बहुत खास इंसान को खोया है और मैं समझ सकता हूं कि आपने कितना दर्द सहा होगा। मुझे नहीं लगता कि कोई भी इंसान ऐसे दुख से कभी पूरी तरह बाहर निकल पाता है।' बॉबी ने यह बात शेखर सुमन के बड़े बेटे के कम उम्र में निधन को याद करते हुए कही। इसके बाद बॉबी देओल ने बताया कि धर्मेंद्र उनके और दुनिया के लिए क्या मायने रखते थे। उन्होंने कहा, 'मेरे लिए मेरे पापा वो इंसान थे जिन्हें पूरी दुनिया बहुत प्यार करती थी। हमें हमेशा इसका एहसास था, लेकिन जब वो चले गए तो सिर्फ हमारे लिए नहीं, पूरी दुनिया के लिए बहुत दुख का पल था। मैं जहां भी जाता हूं, लोग उन्हें याद करके भावुक हो जाते हैं। पापा बहुत स्पेशल थे। उनके जैसा कोई नहीं हो सकता।' बॉबी देओल आने वाले समय में 'बंदर' फिल्म में नजर आएंगे। अनुराग कश्यप निर्देशन 'बंदर' की कहानी सुदीप शर्मा और अभिषेक बनर्जी ने लिखी है।

# बिकनी में रुक्मिणी वसंत का वायरल वीडियो निकला फेक, एक्ट्रेस ने बताई सच्चाई

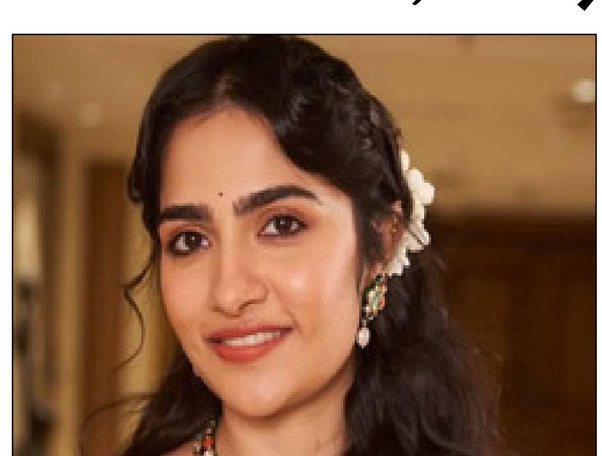

रुक्मिणी वसंत ने वायरल हो रहे अपने बिकनी वीडियो पर नाराजगी जताते हुए इसे फेक और एआई द्वारा तैयार किया गया वीडियो बताया है। 'कांतारा चैप्टर 1' की हीरोइन रुक्मिणी वसंत का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा था। इस बिकनी वीडियो में रुक्मिणी पूल में फोटोशूट कराती नजर आ रहीं थीं। वीडियो के ऑनलाइन प्रसारित होने के बाद, अब एक्ट्रेस की ओर से इस वीडियो को लेकर स्पष्टीकरण आया है। रुक्मिणी वसंत ने खुद सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए ये स्पष्ट किया है कि ये वीडियो असली नहीं बल्कि एआई जेनेरेटड फेक वीडियो है। रुक्मिणी वसंत की ओर से अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक विस्तृत बयान जारी किया गया है। इस बयान में उन्होंने स्पष्ट किया कि ये फेक एआई वीडियो है। उन्होंने लिखा, 'मेरी टीम और मुझे कुछ एआई से बनाई गई तस्वीरें मिली हैं जो ऑनलाइन प्रसारित हो रही हैं और दावा कर रही हैं कि ये मेरी हैं। मैं स्पष्ट रूप से कहना चाहती हूं कि ये तस्वीरें पूरी तरह से फर्जी और मनगढ़ंत हैं। इस तरह की छेड़छाड़ किए गए किसी भी तरह के कंटेंट को बनाना और उसका प्रसार करना घोर गैरजिम्मेदाराना और प्राइवेसी का गंभीर उल्लंघन है। हम इस मामले को गंभीरता से ले रहे हैं और इन तस्वीरों को बनाने और फैलाने में शामिल लोगों के खिलाफ जरूपरी कानूनी और साइबर क्राइम कार्रवाई शुरू कर रहे हैं। सभी से अनुरोध है कि ऐसे कंटेंट को शेयर करने या उससे जुड़ने से बचें।' इससे पहले कल रात से ही सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा था। इस वीडियो में एक लड़की हरे रंग की बिकनी पहनकर स्वीमिंग पूल में उतरती नजर आती है। उसके आसपास कैमरे लिए हुए कैमरापर्सन खड़े हैं। जिससे ऐसा मालूम पड़ता है कि ये वीडियो किसी फोटोशूट के दौरान का है। इस वीडियो में मौजूद लड़की को रुक्मिणी वसंत बताया गया और देखते ही देखते वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। अब वीडियो तेजी से फैलने के बाद रुक्मिणी ने खुद इस पर स्पष्टीकरण जारी करते हुए इसे फेक और एआई द्वारा तैयार किया गया वीडियो बताया गया है। वर्कफ्रंट की बात करें तो रुक्मिणी वसंत को आखिरी बार पिछले साल आई ब्लॉकबस्टर फिल्म 'कांतारा चैप्टर 1' में देखा गया था। इसमें उनके साथ ऋषभ शेट्टी प्रमुख भूमिका में नजर आए हैं। फिल्म सफल फ्रेंचाइजी का दूसरा पार्ट है। वहीं उनकी आगामी फिल्मों की बात करें तो अब वह यश की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'टॉक्सिक' में नजर आएंगी। इसमें उनके अलावा नयनतारा, कियारा आडवाणी, हुमा कुरैशी और तारा सुतारिया भी अहम किरदारों में दिखाई देंगी। इसके अलावा रुक्मिणी के खाते में जूनियर एनटीआर की फिल्म 'ड्रैगन' भी है। हाल ही में फिल्म की पहली झलक सामने आई है। 'ड्रैगन' अगले साल यानी 11 जून 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

# कंगना रनौत की 'भारत भाग्य विधाता' संग क्लैश पर इम्तियाज अली ने तोड़ी चुप्पी

इम्तियाज अली की आगामी फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' 12 जून को रिलीज होगी। इसके साथ कंगना रनौत की 'भारत भाग्य विधाता' और कुछ अन्य फिल्में भी रिलीज हो रही हैं। फिल्मों के क्लैश पर इम्तियाज अली ने चुप्पी तोड़ी है। दिलजीत दोसांझ, नसीरुद्दीन शाह, शरवरी और वेदांग रैना अभिनीत फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' की रिलीज को कुछ दिन बाकी हैं। यह फिल्म 12 जून को दस्तक देगी। इम्तियाज अली के निर्देशन में बनी यह एक लव स्टोरी फिल्म है। दूसरी तरफ कंगना रनौत की फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' भी 12 जून को रिलीज होने वाली है। साथ ही दो अन्य फिल्में भी रिलीज होंगी। फिल्मों के बॉक्स ऑफिस क्लैश पर हाल ही में इम्तियाज अली ने रिएक्शन दिया है। निर्देशक इम्तियाज अली ने 12 जून को होने वाले फिल्मों के क्लैश को लेकर हाल ही में 'द फ्री प्रेस जर्नल' से बात करते हुए जवाब दिया। उन्होंने माना कि ऐसी चीजें हमेशा किसी के कंट्रोल में नहीं होतीं। इम्तियाज ने आगे बताया कि उन्हें दूसरी रिलीज के बारे में पहली बार पता चला है। उन्होंने कहा, 'ये चीजें कंट्रोल में नहीं होतीं। हमने सबसे पहले घोषणा की थी'। इम्तियाज अली ने आगे कहा, 'आमतौर पर, फिल्म इंडस्ट्री में एक तरह का भाईचारा होता है, जैसे कि 'अगर मेरी फिल्म आ रही है तो तुम मत आओ, अगली बार आ जाना' और इस तरह की बातें। यह आमतौर पर काम भी करता है। यह पहली बार है जब मुझे पता चल रहा है कि उस दिन दूसरी फिल्में भी रिलीज हो रही हैं'। निर्देशक ने कहा, 'अगर ऐसा ही होने वाला है, तो ठीक है। साल में सिर्फ 52 हफ्ते होते हैं और हर साल 52 से ज्यादा फिल्में रिलीज होती हैं। इसलिए, ऐसा होना तो तय है'। बता दें कि बीते हफ्ते इस फिल्म का ट्रेलर लॉन्च किया गया था। इसे दर्शकों का अच्छा रिएक्शन मिला है। 12 जून को 'मैं वापस आऊंगा' और 'भारत भाग्य विधाता' के अलावा मनोज बाजपेयी की 'हॉन्टेड 3डी- इकोस ऑफ द पास्ट' भी रिलीज होंगी।

## सम्पादकीय

### कोई न कोई हमेशा ही हमारी हिंसा की कीमत चुका रहा होता है

भोपाल की सबसे व्यस्त सड़क किसी भी शाम घर लौटने की हड़बड़ी से भरे यात्रियों की अराजक भीड़ से भरी रहती है। लेकिन इस शुक्रवार उसकी सामान्य रिदम टूटकर एक ठहराव में बदल गई। इसका कारण किसी निर्माण कार्य से पैदा हुई बाधा या प्राकृतिक संकट नहीं था, बल्कि मनुष्यों के बीच टाला जा सकने वाला एक टकराव था। एक मामूली दुर्घटना- जो कि एक चालक की लापरवाह ड्राइविंग का नतीजा थी- देखते ही देखते गुस्से और अहंकार से भरे विवाद में बदल गई। दोनों चालक सड़क के बीचोंबीच खड़े थे और एक-दूसरे से ऐसे लड़ रहे थे, मानो किसी खंदक में मोर्चा संभाले सैनिक हों। वो बहस में जीतने की बेचैन इच्छा से पूरी तरह ग्रस्त हो चुके थे। गुस्से में वो अपने आसपास की वास्तविकता से पूरी तरह अनजान हो चुके थे। उन्हें इस बात तक का एहसास नहीं था कि उनकी निजी लड़ाई ने कारों की एक लंबी और सर्पिली कतार पैदा कर दी है, जो दूर तक फैली हुई थी। कारों के भीतर बैठे लोग दरअसल उनकी नासमझी के वास्तविक शिकार बन रहे थे। उनमें शायद कोई भूखा बच्चा था, जो रात के भोजन में हो रही देरी पर रो रहा हो, या कोई गंभीर रोगी, जो डॉक्टर तक पहुंचने की कोशिश में हर बीतते मिनट के साथ अपने सीने को थामे बैठा हो। उन चालकों का क्रोध उनके लिए एक ऐसी दीवार बन गया था, जिसने उन्हें दूसरों की दुनिया को समझने से रोक दिया था। अपने अहंकार के चलते दूसरों को पहुंचाए परोक्ष नुकसान को न देख पाने की इस मानवीय प्रवृत्ति ने मुझे दुनिया के दूसरे छोर की एक हृदयविदारक कहानी की याद दिलाई। वह कहानी थी सनी की, जो मैंने हाल ही में पढ़ी थी। फरवरी में एक रूसी ड्रोन ने यूक्रेन के जपोरिज्जिया शहर पर प्रहार किया था। मीडिया ने तुरंत व्यापक आंकड़े सामने रख दिए : ध्वस्त हुई इमारतें, दर्ज किया गया नुकसान और दुःखद रूप से समाप्त हो गई मानवीय जिंदगियां। लेकिन मलबे के बीच सनी भी पड़ा था- युद्ध के आधिकारिक आंकड़ों में पूरी तरह से उपेक्षित। एक समर्पित जीवविज्ञानी और संवेदनशील राहगीर वेरोनीका कोन्कोवा ने उस उल्लू को विध्वंस के बीच दुबका पाया। उसकी बाईं आंख की दृष्टि जा चुकी थी और एक पंख बुरी तरह टूट चुका था। उसे एक गत्ते के डिब्बे में रखकर अस्पताल पहुंचाया गया। सनी का पंख काटना पड़ा। अब वह प्रकाश पर प्रतिक्रिया नहीं कर सकता था।

# सरदारपुर के सिविल अस्पताल में प्रभारी सीबीएमओ ने व्यवस्थाओं मे किया सुधार, ताले मे बंद पडे कूलर-एसी निकले बहार, मरीजो को मिली राहत

**अस्पताल की अव्यवस्थाओं को लेकर आज धार में मुख्यमंत्री डॉ. यादव से मिल सकता है प्रतिनिधि मंडल**

**खबर का असर**

संयुक्त लहर, प्रतिनिधि

**सरदारपुर।** सिविल अस्पताल सरदारपुर की अव्यवस्थाओं को लेकर बीते दिनों समाचार प्रकाशित किया था। समाचार के प्रकाशन के बाद कुछ हद तक सिविल अस्पताल की व्यवस्था में सुधार देखने को मिला है। सिविल अस्पताल के प्रभारी बीएमओ डॉ. सचिन द्विवेदी ने अस्पताल की व्यवस्था में सुधार के लिए प्रयास किए हैं। जिसमे कई महीनों से बंद पडे सीसीटीवी कैमरों को दुरुस्त करवाकर उन्हे चालु करवाया। साथ ही सिविल अस्पताल के पुराने भवन में दानदाताओं के द्वारा दिए गए कुलर और पंखे जो ताले मे बंद पड़े थे। उन्हे भी निकलवाकर सही करवाकर अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड, जनरल वार्ड में लगाया। जिससे भीषण गर्मी में उपचार करवाने वाले मरीजों और चिकित्सकों को राहत मिली है। बीएमओ डॉ. सचिन द्विवेदी ने चर्चा में बताया कि कुलर और एसी को सही करवाकर वार्ड में लगाया गया है, जिससे अब मरीजो को गर्मी से राहत मिलने लगी है। बंद पडे ऑक्सीजन प्लांट को भी शुरू करवाने के प्रयास किए जा रहे है। वरिष्ठ अधिकारियों से चर्चा की गई है जल्द ही ऑक्सीजन प्लांट भी आरंभ होगा। डॉ द्विवेदी ने बताया की पुराने भवन मे मरीजो को पानी पीने के लिए जो आरओ लगा है उसे नई बिल्डिंग में शिफ्ट किया जाएगा। वही डॉक्टरो के सामने एक बडी समस्या यह आ रही थी की कोई पॉइजन केस आते है तो पॉइजन वाश करने के लिए कोई व्यवस्था नही थी। अब पॉइजन रूम में व्यवस्था करवाई जा रही है। सिविल अस्पताल की अव्यवस्थाओं को लेकर आज मुख्यमंत्री से मिल सकता है प्रतिनिधिमंडल:- करीब 9 माह पुर्व 10 करोड़ के भवन में जब सिविल अस्पताल नवीन भवन मे आरंभ हुआ था। तब लोकार्पण समारोह में प्रभारी मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने सिविल अस्पताल में बंद पडी सोनोग्राफी मशीन, स्त्री रोग विशेषज्ञ सहित विभिन्न कमियों को दुर कर इसे जिले के बेहतर अस्पताल शामिल करने की बात कही थी। लेकिन 9 माह बाद भी इस दिशा मे कोई कारगार पहल नही हो सकी। सिविल अस्पताल के नए भवन में पुराने संसाधनो से काम चलाया जा रहा है। ऐसे मे आज जिला मुख्यालय पर आ रहे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से एक प्रतिनिधी मंडल मुलाकात कर सकता है। सूत्रों की माने तो सिविल अस्पताल में हब लैब के अभाव मे मरीजो को रिर्पोट के लिए 4 से 5 दिनो का इंतजार करना पड़ता है। वही टेक्नीशियन के नही होने से बंद पडी सोनोग्राफी मशीन और स्त्री रोग विशेषज्ञ की कमी जैसी कई मांगो को लेकर मुख्यमंत्री को अवगत करवाया जा सकता है।

सरदारपुर के सिविल अस्पताल में अव्यवस्थाओं का अंबार, करोड़ो की लागत से बने अस्पताल में मरीजों को नही मिल पा रही एक ही छत के निचे सारी सुविधाएं

नवागत कलेक्टर से औचक निरीक्षण की आस

संयुक्त लहर, प्रतिनिधि

सरदारपुर। करोड़ो रूपये की लागत से बने सरदारपुर के सिविल अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर लगातार सवाल खड़े हो रहे है। जब सिविल अस्पताल भवन बनकर तैयार हुआ था तथा इसमें स्वास्थ्य सेवाओं का संचालन शुरू हुआ था तब यह उम्मीद जताई जा रही थी कि आदिवासी बाहुल्य सरदारपुर क्षेत्र के मरीजों को एक ही छत के निचे सारी सुविधाएं मिलेंगी। लेकिन अब सिविल अस्पताल महज नाम का ही सिविल अस्पताल रहा गया है। सरकार की मंशा अनुरूप यहां गरीब मरीजों को जो सुविधाएं मिलनी चाहिए थी वह नहीं मिल पा रही है। सिविल अस्पताल जमीनी हकीकत कुछ और ही बया कर रही हैं इन दिनों प्रचंड गर्मी के चलते प्रतिदिन मरीज सिविल अस्पताल में पहुंच रहे है। कई मरीजों को भर्ती भी किया जा रहा है। लेकिन यहां भर्ती होने वाले मरीज पंखे की गर्म हवाओं में रहने को मजबूर है। अस्पताल प्रबंधन मरीजों का हाल जानने तक उचित नही समझ रहा है। वही बीते वर्ष अस्पताल हेतु क्षेत्र के दानदाताओं ने अपनी और से मरीजों के लिए कूलर व एसी भेंट किए थे। अब वे कूलर और एसी कहा गए उसका किसी को पता नही हैं। भीषण गर्मी में तपते मरीजों कि सुध लेने वाला अस्पताल प्रबंधन भी नदारद हैं। यही नहीं सिविल अस्पताल में अब भी पुराने संसाधनों से ही काम चलाया जा रहा है। आईपीडी में जब मरीजों को बोटल चढ़ाने के लिए भेजा जाता हे तो अधिक मरीज होने से उन्हें इंतजार करना पड़ता है। अस्पताल में नए बेड उपलब्ध नहीं करवाए गए जिससे परेशानियों का सामना करना पड़ रहा हे। सरदारपुर के सिविल हॉस्पिटल के नाम से हब लैब स्वीकृत हुई थी। लेकिन उसका संचालन अब तक यहां शुरू नही हुआ हैं। यह हब लैब अस्थाई रूप से अमझेरा में स्थानांतरित की गई थी लेकिन सिविल अस्पताल के शुरु होने के कई महीनों बाद भी यह लैब सरदारपुर स्थानांतरित नही हो सकी है। जिससे मरीजों को परेशान होना पड़ रहा हे। वही अगर जांच हेतु सैंपल अमझेरा भेजे जाते हैं तो वहां से रिपोर्ट आने में 2 से 3 दिन लग रहे हैं। सिविल अस्पताल में सोनोग्राफी मशीन उपलब्ध होने के बाद भी करीब दो वर्षों से इसका उपयोग नही हो पा रहा हैं। कई बार सोनोग्राफी शुरू करने को लेकर पहल तो की गई है लेकिन ठोस कदम नहीं उठाए गए। टेक्नीशियन नहीं होने से सोनोग्राफी मशीन शोपीस बनी हुई है। सिविल अस्पताल में सुरक्षा और निगरानी के चलते लाखो रुपये खर्च कर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए थे। शुरुआत के करीब 5 माह तक ये सभी सीसीटीवी कैमरे चालू थे। लेकिन उसके बाद यह कैमरे बंद हुए तो किसी ने भी इनकी सुध नही ली। अस्पताल परिसर में सीसीटीवी कैमरे बंद होने से सुरक्षा को लेकर कई सवाल खड़े हो रहे हैं। अगर अस्पताल में कोई अप्रिय घटना होती है तो उसकी जिम्मेदारी कौन लेगा सिविल अस्पताल सरदारपुर में अव्यवस्थाओं का अंबार लगा हुआ है। धार के जिला चिकित्सालय के तर्ज पर नवागत कलेक्टर अगर सरदारपुर के सिविल अस्पताल का भी ओचक निरीक्षण करें तो यहां अव्यवस्थाओं ओर मनमानी पोल खुल सकती हैं। क्षेत्र की जिम्मेदार जनता को अब नवागत कलेक्टर राजीव रंजन मीणा से आस है कि वे जल्द ही सरदारपुर के सिविल अस्पताल का औचक निरीक्षण कर लापरवाही जिम्मेदारों पर कार्रवाई करेंगे। गौरतलब है कि बीते ही वर्ष तत्कालीन एसडीएम आशा परमार द्वारा अस्पताल का औचक निरीक्षण करने पर अस्पताल में अव्यवस्थाओ की पोल खुल गई थी।

# वैदिक मंत्रोच्चार के बीच एक-दूजे के हुए तुलसी-शालिग्राम, उल्लास से मना भव्य चवरी महोत्सव

**गाजे-बाजे के साथ निकली बारात, महाप्रभु जी की बैठक पर हुआ कन्यादान**

संयुक्त लहर, प्रतिनिधि

**उज्जैन।** पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर श्री वल्लभ वैष्णव मंडल, युवा मंडल एवं महिला मंडल के संयुक्त तत्वावधान में भव्य चवरी मनोरथ और तुलसी-शालिग्राम विवाह अत्यंत धूमधाम से मनाया गया। मुख्य मनोरथी युगल ग्रुप (युगल किटी क्लब) द्वारा आयोजित इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मीडिया प्रभारी दीपक राजवानी ने बताया कि सर्वप्रथम सुरभि गार्डन से भगवान शालिग्राम जी की बारात गाजे-बाजे, आतिशबाजी और घोड़ी-बैंड के साथ निकाली गई। नाचते-गाते वैष्णव जनों के साथ यह शोभायात्रा अंकपात मार्ग स्थित श्री आचार्य महाप्रभु जी की बैठक पहुंची, जहां बारात का भव्य स्वागत किया गया। इसके पश्चात पंडितों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ तुलसी-शालिग्राम विवाह करवाया गया।

**इन्होंने निभाया माता-पिता और कन्यादान का दायित्व**

विवाह प्रसंग में शालिग्राम जी के माता-पिता बनने का सौभाग्य हेमंत-वर्तिका नागर, अखिलेश-ज्योति नागर और आभास-लक्ष्मी शर्मा को प्राप्त हुआ। वहीं पवित्र कन्यादान की रस्म विशाल-नूपुर नीमा और अम्बरीष-सुरभि जवेरी ने निभाई। मंडल के संस्थापक संयोजक विट्ठल नागर के नेतृत्व में हुए इस भव्य आयोजन को सफल बनाने में आनंद पुरोहित, राजेंद्र शाह, पारुल शाह, दीपा नागर, अमित नागर, मनीषा नागर, कामिनी शाह, हेतल शाह, वरुण नागर, अंतेश नीमा, नितिन नीमा, श्याम माहेश्वरी, रमेश चतुर्वेदी, नितेश नागर, रत्नेश नीमा, अत्नेश नीमा और राहुल नागर सहित सभी मंडल पदाधिकारियों का विशेष योगदान रहा। विवाह और चवरी महोत्सव कार्यक्रम के अंत में सभी वैष्णव जनों ने महाप्रसादी का आनंद लिया।

## तपस्या पूर्ण कर उज्जैन आगमन पर कामाख्या तंत्र पीठ आश्रम में हिमालय गिरी महाराज का हुआ भव्य स्वागत

संयुक्त लहर, प्रतिनिधि

**उज्जैन।** बड़ा पुल स्थित श्री पंचदशनाम जूना अखाड़ा के श्री श्री 1008 जगतगुरु पंचानंद गिरी महाराज के कामाख्या तंत्र पीठ आश्रम पर सम्मान समारोह आयोजित किया गया। जूना अखाड़ा के कामाख्या पुत्र हिमालय गिरी महाराज ने उज्जैन से जाकर राजस्थान के जैसलमेर जिले स्थित श्री नभ डूंगर माताजी शक्तिपीठ मंदिर में 10 माह तक सनातन धर्म एवं विश्व कल्याण के लिए तपस्या की। नितेश कुमार ने बताया कि 10 माह की तपस्या पूर्ण होने के बाद जूना अखाड़ा के कामाख्या पुत्र हिमालय गिरी महाराज का उज्जैन आगमन पर श्रद्धालुओं एवं भक्त जनों ने गुरु महाराज का पूजन कर फूल-मालाओं से अभिनंदन किया तथा आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर हिमालय गिरी महाराज ने कहा कि साधु-संत अपनी तपस्या व्यक्तिगत लाभ के लिए नहीं, बल्कि सनातन धर्म और विश्व कल्याण के लिए करते हैं। जिस स्थान पर गुरु महाराज ने तपस्या की, वह अत्यंत प्राचीन और आध्यात्मिक महत्व का स्थल है। वहां आज भी कई ऐतिहासिक एवं आध्यात्मिक रहस्य मौजूद हैं। क्षेत्र में मां भगवती का प्राचीन मंदिर स्थित है, हालांकि आसपास पानी की सुविधा नहीं है। तपस्या के दौरान ग्रामवासियों ने 40 किलोमीटर दूर से पानी लाकर सहयोग किया।

# अल्ट्राटेक निःशुल्क कोचिंग क्लास में 'सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता 2026' सम्पन्न

संयुक्त लहर, प्रतिनिधि

**मनावर।** अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड यूनिट धार सीमेंट वर्क्स द्वारा सी एस आर गतिविधियों के अंतर्गत पुरानी तहसील में संचालित निःशुल्क कॉम्पिटेटिव कोचिंग क्लासेस मनावर में 'सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता 2026' का सफल आयोजन संस्थान प्रमुख श्री नीतेश जी निराला , मानव संसाधन प्रमुख श्री राजेश जैन के मार्गदर्शन एवं सी एस आर प्रमुख श्री विपिन सक्सेना के दिशानिर्देश में किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया तथा प्रस्तावित निःशुल्क फिजिकल ट्रेनिंग गतिविधियों में भी उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता परीक्षा में क्षेत्र के लगभग लगभग 75 छात्र छात्राओं ने भाग उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अल्ट्राटेक सीमेंट के मुख्य सुरक्षा अधिकारी श्री शिवदत्त चंद्रावत विद्यार्थियों को फिजिकल ट्रेनिंग के महत्व एवं अनुशासन के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में स्वागत संबोधन एवं अतिथियों का स्वागत सी एस आर आर हेड विपिन सक्सेना द्वारा दिया गया एवं अल्ट्राटेक सीमेंट द्वारा संचालित सी एस आर गतिविधियों पर विस्तृत प्रकाश डाला प्रकाश और अल्ट्राटेक द्वारा संचालित कोचिंग का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आग्रह किया । इस अवसर पर कोचिंग संस्था से चयनित विद्यार्थियों प्रदीप सोलंकी, राजकुमार सवनेर एवं अजय सवनेर को मध्यप्रदेश शिक्षक चयन परीक्षा में शिक्षक पद पर चयनित होने पर सम्मानित किया गया। इस उपलब्धि पर उपस्थित अतिथियों एवं संस्था सदस्यों ने उन्हें शुभकामनाएँ दीं। कार्यक्रम में सी एस आर टीम के सदस्य सुशांत दास, सुखलाल वास्केल, शुभम पटेल तथा संस्था के शिक्षक संजय वर्मा एवं दीपक चौयल उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन संस्था के शिक्षक गुलशन मकाश्रे द्वारा किया गया। उल्लेखनी है की अल्ट्राटेक सीमेंट का सी एस आर विभाग सीनियत मैनेजमैंट के मार्गदर्शन में सामाजिक विकास के क्षेत्र में प्रतिबद्धता से कार्य कर रहा है।

# कालभैरव में 500 रुपए के शीघ्र दर्शन से 5 दिन में 25 लाख की आय, वीकेंड पर आम श्रद्धालुओं के लिए व्यवस्था स्थगित

**गर्भगृह छोटा होने से भीड़ का दबाव बढ़ा, अब शनिवार-रविवार को सिर्फ प्रोटोकॉल से होंगे दर्शन**

संयुक्त लहर, प्रतिनिधि

**उज्जैन।** भगवान कालभैरव मंदिर में 20 मई से शुरू हुई 500 रुपए की शीघ्र दर्शन व्यवस्था से मंदिर समिति को महज पांच दिनों में लगभग 25 लाख रुपए की आय हुई है। हालांकि, भारी भीड़ और गर्भगृह में दबाव बढ़ने के कारण अब प्रत्येक शनिवार और रविवार को आम दर्शनार्थियों के लिए 500 रुपए वाली शीघ्र दर्शन व्यवस्था स्थगित करने का निर्णय लिया गया है। अब वीकेंड पर यह सुविधा केवल प्रोटोकॉल दर्शनार्थियों को ही मिलेगी। शनिवार और रविवार को मंदिर में दर्शनार्थियों की संख्या अचानक बढ़ गई थी, जिसके चलते कई बार शीघ्र दर्शन लाइन को कुछ देर के लिए रोकना पड़ा। क्षेत्रीय पटवारी व मंदिर व्यवस्थापक महेश देपन के अनुसार, शनिवार को एक ही दिन में 1876 दर्शनार्थियों ने 500 रुपए की रसीद कटवाकर दर्शन किए। इससे मंदिर समिति को एक दिन में 9 लाख 38 हजार रुपए की आय हुई। रविवार को भी लाखों रुपए की आय प्राप्त हुई है, जबकि पूरे सप्ताह का अंतिम आंकड़ा आना अभी बाकी है। कालभैरव मंदिर का गर्भगृह काफी छोटा है। यहां दो दरवाजे हैं। एक दरवाजे से आम श्रद्धालु बाहर से दर्शन करते हैं, जबकि दूसरे दरवाजे से शीघ्र दर्शन वाले श्रद्धालु अंदर जाकर दर्शन करते हैं और उसी से वापस लौटते हैं। इस कारण गर्भगृह में व्यवस्थाएं प्रभावित हो रही थीं। व्यवस्थापक महेश देपन और मंदिर प्रशासक संध्या मार्कण्डय द्वारा लागू की गई इस व्यवस्था से आय में हुई रिकॉर्ड वृद्धि पर कलेक्टर रोशन कुमार सिंह एवं एडीएम एलएन गर्ग ने संतोष व्यक्त किया है। साथ ही श्रद्धालुओं को और राहत देने के लिए व्यवस्थाओं में बदलाव के निर्देश दिए हैं। गर्भगृह में भीड़ के दबाव को देखते हुए मंदिर समिति अब शीघ्र दर्शन के लिए एक नई वैकल्पिक व्यवस्था पर विचार कर रही है। इसके तहत शीघ्र दर्शन के दर्शनार्थी को गर्भगृह में प्रवेश नहीं देते हुए, बाहर से ही बिना कतार के दर्शन कराए जाएंगे। इसके लिए दर्शन शुल्क 250 रुपए रखने पर विचार किया जा रहा है।

# हामूखेड़ी में उल्लास के साथ मनाई गई संत कबीर जयंती, भिक्षु डॉ. सुमेध थेरो ने कराया त्रिशरण और पंचशील का पाठ

संयुक्त लहर, प्रतिनिधि

**उज्जैन।** देवास रोड स्थित हामूखेड़ी के सनराइज सिटी में रविवार को सर्व कोरी-कोली समाज उत्थान संघ के नवनिर्मित भवन (उत्थान केंद्र) का भव्य लोकार्पण और धम्म शाला का उद्घाटन किया गया। इस ऐतिहासिक और आध्यात्मिक अवसर पर समाजजनों द्वारा तथागत गौतम बुद्ध की मूर्ति की स्थापना की गई, साथ ही महान समाज सुधारक संत कबीरदास जी की जयंती पूरे श्रद्धाभाव और उत्साह के साथ मनाई गई।

**गरिमामय उपस्थिति में संपन्न हुआ उद्घाटन**

आयोजन के आमंत्रण पत्र के अनुसार, इस उद्घाटन समारोह में गुजरात के कैबिनेट मंत्री (जल संसाधन एवं ग्रामीण विकास) कुंवर जी भाई बावलिया बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता उज्जैन-आलोट संसदीय क्षेत्र के सांसद अनिल फिरोजिया ने की, जबकि

भाजपा जिला कार्यकारिणी के कोषाध्यक्ष प्रकाश यादव विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उज्जैन बुद्धिस्ट सोसायटी के तत्वावधान में आयोजित धम्म कार्यक्रम में भिक्षु डॉ. सुमेध थेरो (संरक्षक) ने उपस्थित जनों को त्रिशरण और पंचशील का पाठ कराते हुए धम्म देशना दी। इस अवसर पर इंजीनियर सावित्री कटारिया द्वारा भगवान बुद्ध की मूर्ति दान की गई, जिसे विधि-विधान से स्थापित किया गया। धार्मिक अनुष्ठान में धम्म आचार्य आनंद बौद्ध और बनेसिंह बौद्ध ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

**कबीर भजनों से गुंजायमान हुआ परिसर**

संत कबीरदास जी के प्रकट दिवस के उपलक्ष्य में एक विशेष भजन संध्या का आयोजन भी किया गया। कार्यक्रम में मुकेश दीवान और उनकी मंडली ने सुमधुर कबीर भजनों की प्रस्तुति दी, जिसने वहां मौजूद सभी श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

**इनकी रही विशेष उपस्थिति**

संघ के अध्यक्ष राजेश कुमार शाक्य और सचिव प्रकाश पंथी के नेतृत्व में संपन्न हुए इस आयोजन में पूर्व कुलपति डॉ. बी.एस. बुनकर, उज्जैन बुद्धिस्ट सोसायटी के अध्यक्ष डॉ. हरि बाबू कटारिया, गणेश वर्मा, शिव प्रकाश पंथी, टीवी शाक्यवार, ओम प्रकाश खंडोरिया, श्रीमती विनोद गया, चंदा वर्मा, कन्हैया लाल और वंदना शोले सहित बड़ी संख्या में समाजजन और गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। कार्यक्रम का सफल व प्रभावी संचालन डॉ. हरि बाबू कटारिया ने किया, जबकि अंत में सावित्री कटारिया ने सभी अतिथियों और समाजजनों के प्रति आभार व्यक्त किया।

# भारत की वो जादुई जगहें, जहां मई-जून की तपती गर्मी में भी मिलती है बर्फ

भारत में कई ऐसी जगहें हैं जहां मई-जून की गर्मी में भी बर्फ देखने को मिलती है। इनमें रोहतांग पास, लद्दाख, गुलमर्ग, युमथांग वैली और औली जैसी जगहें शामिल हैं। यहां पर्यटक गर्मियों में भी बर्फबारी का अनुभव, एडवेंचर एक्टिविटीज और ठंडी वादियों का आनंद लेने पहुंचते हैं। मई-जून की भीषण गर्मी शुरू होते ही लोग ठंडी जगहों की तलाश में निकल पड़ते हैं। जब मैदानों में तापमान 45 डिग्री के पार पहुंच जाता है, तब हर किसी का मन करता है कि कहीं ऐसी जगह चला जाए जहां ठंडी हवाएं हों, पहाड़ हों और चारों तरफ बर्फ जमी हो। अच्छी बात यह है कि भारत में कई ऐसी खूबसूरत जगहें मौजूद हैं जहां गर्मियों के मौसम में भी बर्फ देखने को मिल जाती है। यही वजह है कि हर साल लाखों पर्यटक इन जगहों की ओर रुख करते हैं। इन जगहों की खास बात सिर्फ बर्फ नहीं, बल्कि यहां का प्राकृतिक सौंदर्य, एडवेंचर और शांत माहौल भी है। कहीं ऊंचे पहाड़ों के बीच सफेद चादर बिछी मिलती है, तो कहीं ग्लेशियर और जमी हुई झीलें लोगों को हैरान कर देती हैं। अगर आप भी इस गर्मी में कुछ अलग अनुभव करना चाहते हैं और बर्फ के बीच छुट्टियां बिताने का सपना देख रहे हैं, तो आज हम आपको भारत की कुछ ऐसी शानदार जगहों के बारे में बताएंगे, जहां मई-जून में भी बर्फ जमी रहती है और एक बार जाने के बाद आपका दिल बार-बार वहां लौटने का करेगा। भारत की इन जगहों पर गर्मियों में भी मिलती है बर्फ

### रोहतांग पास

हिमाचल प्रदेश का रोहतांग पास गर्मियों में बर्फ देखने के लिए सबसे लोकप्रिय जगहों में से एक है। मनाली से करीब 50 किलोमीटर दूर स्थित यह जगह मई और जून में भी बर्फ से ढकी रहती है। यहां पर्यटक स्नो स्कूटर, स्कीइंग और बर्फ में खेलने का मजा लेते हैं। रास्ते में दिखने वाले पहाड़ और झरने इस सफर को और भी यादगार बना देते हैं।

### लद्दाख

लद्दाख की खूबसूरती किसी जादू से कम नहीं लगती। यहां कई ऊंचे दर्रे और पहाड़ी इलाके ऐसे हैं जहां जून में भी बर्फ देखने को मिल जाती है। खासकर खारदुंग ला और चांग ला जैसे पास पर सफेद बर्फ की मोटी परत पर्यटकों को रोमांचित कर देती है। बाइक ट्रिप पसंद करने वालों के लिए यह जगह किसी सपने जैसी है।

### गुलमर्ग

मिनी स्विट्जरलैंड का अनुभव चाहिए तो गुलमर्ग जाइए। कश्मीर का गुलमर्ग अपनी खूबसूरती और बर्फीले नजारों के लिए दुनियाभर में मशहूर है। मई-जून में भी यहां की ऊंची चोटियों पर बर्फ देखने को मिल जाती है। गुलमर्ग गोंडोला राइड से बर्फ से ढके पहाड़ों का नजारा बेहद शानदार लगता है। यहां का मौसम गर्मियों में भी काफी ठंडा और सुकूनभरा रहता है।

### युमथांग घाटी

फूलों और बर्फ की जन्नत का आनंद उठाना है तो सिक्किम जाएं। सिक्किम की युमथांग वैली को फूलों की घाटी भी कहा जाता है। यहां मई-जून में भी कई इलाकों में बर्फ देखने को मिलती है। बर्फ से ढके पहाड़, रंग-बिरंगे फूल और ठंडी हवाएं इस जगह को बेहद खास बना देती हैं। प्रकृति प्रेमियों और फोटोग्राफी के शौकीनों के लिए यह जगह किसी स्वर्ग से कम नहीं है। **( एजेंसी )**

# बाबा बर्फानी के दर्शन से पहले पढ़ लें ये जरूरी गाइड, यात्रा होगी आसान

अमरनाथ यात्रा 2026 की शुरुआत 3 जुलाई से होगी और यह 28 अगस्त तक चलेगी। पहली बार यात्रा पर जाने वालों को रजिस्ट्रेशन, हेल्थ सर्टिफिकेट, सही रूट, मौसम और जरूरी सामान की जानकारी पहले से होना बेहद जरूरी है। बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए होने वाली अमरनाथ यात्रा हिंदू धर्म की सबसे पवित्र यात्राओं में से एक मानी जाती है। हर साल लाखों श्रद्धालु जम्मू-कश्मीर की ऊंची पहाड़ियों के बीच स्थित पवित्र गुफा तक पहुंचते हैं, जहां प्राकृतिक रूप से बनने वाले हिम शिवलिंग के दर्शन किए जाते हैं। आध्यात्मिक आस्था और रोमांच से भरी यह यात्रा जितनी खूबसूरत है, उतनी ही चुनौतीपूर्ण भी मानी जाती है। साल 2026 में अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई से शुरू होकर 28 अगस्त तक चलेगी। इस बार यात्रा करीब 57 दिनों तक जारी रहेगी और सुरक्षा व स्वास्थ्य को लेकर कई नए इंतजाम भी किए गए हैं। अगर

आप पहली बार अमरनाथ यात्रा पर जाने की योजना बना रहे हैं, तो सिर्फ टिकट और बैग पैक करना ही काफी नहीं है। यहां मौसम अचानक बदल सकता है, ऊंचाई की वजह से सांस लेने में दिक्कत हो सकती है और सही तैयारी न होने पर यात्रा कठिन लग सकती है। ऐसे में कुछ जरूरी बातों की जानकारी पहले से होना बेहद जरूरी है। आइए जानते हैं वो 5 अहम बातें, जो हर पहली बार जाने वाले यात्री को जरूर पता होनी चाहिए। रजिस्ट्रेशन और हेल्थ सर्टिफिकेट पहले से कराएं। अमरनाथ यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन अनिवार्य होता है। यात्रियों को अनिवार्य स्वास्थ्य प्रमाणपत्र भी बनवाना पड़ता है, क्योंकि यात्रा ऊंचाई वाले इलाके में होती है। बिना मेडिकल फिटनेस के यात्रा की अनुमति नहीं मिलती। इस साल रजिस्ट्रेशन 15 अप्रैल से शुरू हो चुके हैं। 2026 में अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई से शुरू हो रही है। यात्रा का समापन 28 अगस्त 2026 यानी रक्षाबंधन के दिन होगा। अमरनाथ यात्रा के दो प्रमुख रास्ते हैं, पहलगाम और बालटाल मार्ग। पहलगाम रूट लंबा लेकिन अपोकृत आसान माना जाता है, जबकि बालटाल रूट छोटा लेकिन ज्यादा खड़ी चढ़ाई वाला होता है। पहली बार यात्रा करने वालों के लिए पहलगाम रूट ज्यादा आरामदायक माना जाता है। अमरनाथ यात्रा के दौरान मौसम अचानक बदल सकता है। तेज बारिश, ठंडी हवाएं और बर्फबारी जैसी स्थिति कभी भी बन सकती है। इसलिए गर्म कपड़े, रेनकोट, वाटरप्रूफ जूते और जरूरी दवाइयां साथ रखना बेहद जरूरी माना जाता है।अमरनाथ यात्रा आसान ट्रैकिंग नहीं मानी जाती। ऊंचाई और लंबे पैदल रास्ते की वजह से शरीर को पहले से तैयार करना जरूरी होता है। यात्रा से कुछ हफ्ते पहले रोजाना वॉक और हल्की एक्सरसाइज करें। सांस संबंधी अभ्यास शुरू करना फायदेमंद हो सकता है। पहली बार जाने वाले कई यात्री जरूरत से ज्यादा सामान पैक कर लेते हैं, जिससे चढ़ाई मुश्किल हो सकती है। कोशिश करें कि सिर्फ जरूरी कपड़े, दवाइयां, पहचान पत्र और हल्का सामान ही साथ रखें। हल्का बैग यात्रा को ज्यादा आरामदायक बना सकता है। अमरनाथ यात्रा पर पॉलिथीन, नशीले पदार्थ, भारी और सिल्क की साड़ियां और अनहेल्दी खाद्य पदार्थ साथ न ले जाएं। ऊंचे और दुर्गम पहाड़ी रास्तों पर चप्पल या सैंडल पहनना भी सख्त मना है।

# 5000 रुपये में हो सकती है शिरडी यात्रा देखें पूरा बजट और ट्रैवल प्लान

महाराष्ट्र का छोटा सा शहर शिरडी आज दुनिया भर के श्रद्धालुओं के लिए आस्था का सबसे बड़ा केंद्र बन चुका है। हर साल लाखों भक्त यहां साईं बाबा के दर्शन करने पहुंचते हैं। अगर आप भी शिरडी जाने का प्लान बना रहे हैं, तो आपके मन में सबसे बड़ा सवाल यही होगा कि यात्रा में कितना समय लगेगा और कुल खर्च कितना आएगा। दरअसल, शिरडी यात्रा का बजट आपकी लोकेशन, ट्रैवल मोड और होटल के चुनाव पर निर्भर करता है। ट्रेन से जाने वाले यात्रियों का खर्च कम होता है, जबकि फ्लाइट और प्राइवेट टैक्सी बजट बढ़ा सकती है। वहीं, साईं मंदिर ट्रस्ट द्वारा उपलब्ध कराए गए सस्ते कमरे और भोजन व्यवस्था यात्रियों को काफी राहत देते हैं। इस आर्टिकल में हम आपको बताएंगे कि दिल्ली, मुंबई, लखनऊ और अन्य बड़े

शहरों से शिरडी कैसे पहुंचा जा सकता है, कितने दिन का ट्रिप सही रहेगा, होटल और खाने पर कितना खर्च आएगा, और कौन-सा सीजन यात्रा के लिए सबसे अच्छा है। अगर आप कम बजट में आरामदायक और सफल शिरडी यात्रा करना चाहते हैं, तो यह गाइड आपके लिए बेहद उपयोगी साबित होगी। अगर आप उत्तर भारत से शिरडी जा रहे हैं, तो ट्रेन से पहुंचने में लगभग 20 से 28 घंटे तक का समय लग सकता है। वहीं मुंबई से शिरडी सड़क मार्ग द्वारा करीब 6 से 7 घंटे लगते हैं। फ्लाइट से जाने वाले यात्री पुणे, औरंगाबाद या मुंबई तक पहुंचकर टैक्सी या बस से शिरडी पहुंच सकते हैं। आमतौर पर 2 दिन का ट्रिप पर्याप्त माना जाता है। पहले दिन दर्शन और आसपास के मंदिर घूमे जा सकते हैं, जबकि दूसरे दिन वापसी की जा सकती है। अगर आप शनि शिंगणापुर या त्र्यंबकेश्वर भी देखना चाहते हैं, तो 3 से 4 दिन का प्लान बेहतर रहेगा। शिरडी ट्रिप का खर्च आपके बजट पर निर्भर करता है।

# एक सीजन में सर्वाधिक बार 200+ रन बनाने वाली टीम बनी हैदराबाद, इस मामले में शत प्रतिशत है रिकॉर्ड

सनराइजर्स हैदराबाद ने आरसीबी के खिलाफ दमदार प्रदर्शन किया। इसके साथ ही हैदराबाद की टीम ने आईपीएल में कई कीर्तिमान बनाए। हालांकि, जीत के बावजूद वह अंक तालिका में दूसरे स्थान पर नहीं आ सकी। सनराइजर्स हैदराबाद की टीम ने आईपीएल 2026 में शानदार प्रदर्शन किया है। टीम ने ग्रुप चरण के अपने आखिरी मैच में गत चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को 55 रनों से हराया। आरसीबी और गुजरात टाइटंस की तरह हैदराबाद के भी 18 अंक रहे, लेकिन टीम नेट रन रेट के आधार पर तालिका में तीसरे स्थान पर है। हैदराबाद ने आरसीबी के खिलाफ मैच में दमदार प्रदर्शन किया और 250+ का स्कोर बनाया। इसके साथ ही टीम आईपीएल के एक सीजन में सर्वाधिक बार 200 से अधिक का स्कोर करने वाली टीम बन गई है। आईपीएल का 19वां संस्करण धीरे-धीरे अपने चरम पर पहुंच रहा है। शुक्रवार को उप्पल स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद

ने आरसीबी को 55 रनों से हरा दिया। हैदराबाद की आरसीबी के खिलाफ रनों के लिहाज से यह दूसरी बड़ी जीत है। इससे पहले टीम ने 2019 में हैदराबाद के मैदान पर ही आरसीबी को 118 रनों से हराया था। हालांकि, इस जीत के बावजूद टीम शीर्ष-दो में एंट्री करने में नाकाम रही और अब वह एलिमिनेटर मैच खेलेगी। वहीं, आरसीबी हार के बावजूद शीर्ष पर बरकरार रही और अब उसका सामना गुजरात टाइटंस से क्वालिफायर-1 से होगा। दरअसल, हैदराबाद को शीर्ष दो में जगह पक्की करने के लिए ये मैच 90 या इससे अधिक रनों से जीतना था, लेकिन टीम ऐसा नहीं कर सकी। एसआरएच-आरसीबी दोनों का यह आखिरी लीग मैच था। दोनों टीमें प्लेऑफ में जगह बना चुकी हैं। आरसीबी 14 मैचों से 18 अंक लेकर बेहतर रन रेट के आधार पर पहले, गुजरात टाइटंस 14 मैचों से 18 अंक लेकर दूसरे और एसआरएच 14 मैचों से 18 अंक लेकर तीसरे स्थान पर है। अब यह तय हो गया है पहले और दूसरे स्थान पर आरसीबी और गुजरात की टीमें रहेंगी। यानी इन दोनों ही टीमों को फाइनल में पहुंचने के दो मौके मिलेंगे। आईपीएल के इस सीजन में हैदराबाद की टीम कुल नौ बार 200+ का स्कोर खड़ा कर चुकी है। टूर्नामेंट के इतिहास में अब तक किसी भी टीम ने एक सीजन में इतनी बार 200+ का स्कोर खड़ा नहीं किया है। इससे पहले, गुजरात टाइटंस, पंजाब किंग्स और आरसीबी आईपीएल के किसी सीजन में आठ बार 200+ रन बना चुके थे, लेकिन अब हैदराबाद ने इन टीमों को पीछे छोड़ दिया है। गुजरात ने 2025 सीजन में आठ बार 200+ रन बनाए थे। पंजाब की टीम आईपीएल में दो बार किसी सीजन में आठ बार 200+ रन का स्कोर बना चुकी है। पंजाब ने 2025 और 2026 में ऐसा किया है। आरसीबी की टीम मौजूदा आईपीएल सीजन में आठ बार 200+ रन का स्कोर खड़ा कर चुकी है। हर बार 220+ के लक्ष्य का सफलतापूर्वक किया बचाव हैदराबाद का आईपीएल में 220+ रनों के लक्ष्य का सफलतापूर्वक करने के बचाव का शत प्रतिशत रिकॉर्ड बरकरार है। हैदराबाद ने आईपीएल में कुल 12 बार 220+ रनों के लक्ष्य का सफलतापूर्वक बचाव किया है। दिलचस्प बात यह है कि इतना स्कोर करने के बाद टीम को कभी हार नहीं मिली है।

# रजत पाटीदार सबसे कम गेंदों पर आईपीएल में 100 छक्के पूरे करने वाले भारतीय, गेल को भी छोड़ दिया पीछे

आरसीबी के कप्तान रजत पाटीदार आईपीएल में सबसे कम गेंदों पर 100 छक्के पूरे करने वाले भारतीय बन गए हैं। ओवरऑल सूची में वह तीसरे स्थान पर हैं, लेकिन उन्होंने इस मामले में क्रिस गेल जैसे दिग्गज को भी पीछे छोड़ दिया है। गत चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के कप्तान रजत पाटीदार ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ खेले गए मुकाबले में बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली। पाटीदार आईपीएल में सबसे कम गेंदों पर 100 छक्के पूरे करने वाले भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं। पाटीदार ने हैदराबाद के खिलाफ कप्तानी पारी खेली और कीर्तिमान अपने नाम किया। हालांकि, पाटीदार की ये पारी भी टीम को जीत नहीं दिला सकी। पाटीदार ने हैदराबाद के खिलाफ 39 गेंदों पर छह चौकों और एक छक्के की मदद से 56 रन बनाए। आईपीएल में सबसे कम गेंदों पर 100 छक्के पूरे करने का रिकॉर्ड आंद्रे रसेल के नाम है। रसेल ने 657 गेंदों पर ऐसा किया था। वहीं, दूसरे नंबर पर निकोलस पूरन हैं जिन्होंने 100 छक्के पूरे करने के लिए 884 गेंदें ली। तीसरे

नंबर पर पाटीदार का नाम आता है जिन्होंने यह उपलब्धि 933 गेंदों पर ही पूरी कर ली। इस सूची में पाटीदार से नीचे क्रिस गेल, सुनील नरेन और शिवम दुबे हैं जिन्होंने क्रमशः 943, 950 और 992 गेंदों पर आईपीएल में 100 छक्के पूरे किए हैं। आरसीबी का प्रदर्शन मौजूदा सीजन में भी दमदार रहा है। खिताब बचाने के इरादे से उतरे आरसीबी ने ग्रुप चरण चरण में अपना दबदबा बरकरार रखा और वह शीर्ष पर बनी रही। आरसीबी का सामना अब क्वालिफायर-1 में गुजरात टाइटंस से होगा। दिलचस्प बात यह है कि पिछले 15 टीमों में से 12 टीम ऐसी है जिसने क्वालिफायर-1 जीता है और वही आईपीएल का खिताब जीतने में भी सफल रही है। अब देखना दिलचस्प होगा कि क्या इस बार भी ऐसा कुछ देखने को मिलेगा। लीग चरण खत्म होने में अब दो दिन बचे हैं, लेकिन अभी तक प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई करने वाली चौथी टीम तय नहीं हुई है। चौथे स्थान के लिए राजस्थान रॉयल्स, पंजाब किंग्स, कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और दिल्ली कैपिटल्स के बीच मुकाबला है। आज पंजाब किंग्स का सामना लखनऊ सुपर जाएंट्स से है। अगर पंजाब इस मैच में जीत नहीं दर्ज कर सकी तो उसका सफर ग्रुप चरण में ही थम जाएगा। वहीं, पंजाब ने लखनऊ को हराया तो उसे केकेआर बनाम दिल्ली और राजस्थान के मैच के नतीजे का इंतजार करना पड़ा। हालांकि, अगर राजस्थान अपना अंतिम मैच जीतने में सफल रही तो पंजाब, केकेआर और दिल्ली बाहर हो जाएंगी और राजस्थान प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई करने वाली चौथी टीम होगी।

# मैच के बाद दिखी तल्खीः विराट कोहली ने ट्रेविस हेड से क्यों नहीं मिलाया हाथ देखकर मुंह फेरा

सनराइजर्स हैदराबाद और आरसीबी के बीच आईपीएल 2026 मैच के दौरान ट्रेविस हेड और विराट कोहली में कुछ कहासुनी हुई थी। कोहली इस वाक्या को मैच के बाद भी नहीं भूले और उन्होंने हेड से हाथ मिलाना तो दूर, उन्हें पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया। ईपीएल 2026 में शुक्रवार को सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को 55 रनों से हराया। मैच के दौरान विराट कोहली और ट्रेविस हेड के बीच जुबानी जंग देखने को मिली। हालांकि, मैच खत्म होने के बाद भी कोहली का गुस्सा शांत नहीं हुआ और उन्होंने हेड से हाथ तक नहीं मिलाया। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में दिख रहा है कि मैच के बाद कोहली सनराइजर्स हैदराबाद के बाकी सभी खिलाड़ियों से हाथ मिलाते हैं, लेकिन वह हेड की तरफ देखते तक नहीं हैं। हालांकि, हेड ने विराट से हाथ मिलाने के लिए अपना हाथ आगे भी बढ़ाया,

लेकिन वह एसआरएच के सलामी बल्लेबाज को नजरअंदाज करके आगे निकल गए। इसके बाद आरसीबी की पारी के दौरान कोहली वेंकटेश अय्यर द्वारा लगाए जा रहे चौके-छक्कों के बाद हेड की तरफ देखते हुए बार-बार तंज कसते हुए नजर आए। हेड भी शांत नहीं रहे और उन्होंने भी इशारों-इशारों में विराट को जवाब दिया। एक वीडियो में विराट हेड को उनके सामने गेंदबाजी करने की चुनौती देते हुए भी नजर आए। मैच के बाद जब दोनों टीमों के खिलाड़ी एक दूसरे का अभिवादन कर रहे थे तो कोहली और हेड के बीच तल्खी एक बार फिर देखने मिली। कोहली ने हैदराबाद के कप्तान पैट कमिंस, अभिषेक शर्मा और ईशान किशन से हाथ मिलाया, लेकिन जैसे ही हेड आगे आए तो विराट उन्हें नजरअंदाज कर आगे बढ़ गए। कोहली की इस हरकत पर हेड भी चौंक गए। राजीव गांधी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए एसआरएच ने 20 ओवर में चार विकेट खोकर स्कोरबोर्ड पर 255 रन लगाए। अभिषेक शर्मा ने 22 गेंदों में चार चौके और पांच छक्कों की मदद से 56 रन बनाए। वहीं, ईशान किशन ने ताबड़तोड़ अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 46 गेंदों में 79 रनों की दमदार पारी खेली। हेनरिक क्लासेन ने महज 24 गेंदों का सामना करते हुए 51 रन बनाए। 256 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए आरसीबी 20 ओवर में चार विकेट गंवाकर 200 रन ही बना सकी। टीम की ओर से रजत पाटीदार ने 56 रनों की कप्तानी पारी खेली, जबकि वेंकटेश अय्यर ने 19 गेंदों का सामना करते हुए चार चौके और चार छक्कों की मदद से 44 रन बनाए। वहीं, क्रुणाल पांड्या 41 रन बनाकर नाबाद रहे, लेकिन वह टीम को जीत नहीं दिला सके। मैच जीतने के बाद भी हैदराबाद अंक तालिका में तीसरे स्थान पर रही, जबकि आरसीबी शीर्ष पर मौजूद रही।

# इंदौर- सड़कों पर गूंजे पानी दो, पानी दो... के नारे फ्री पानी की सुविधा बंद होने से फूटा गुस्सा

**इंदौर।** इंदौर में भीषण गर्मी के बीच जल संकट गहरा गया है। पानी की किल्लत से परेशान जनता का गुस्सा रविवार को सड़कों पर फूट पड़ा। शहर के अलग-अलग चौराहों पर कांग्रेस पार्षदों के नेतृत्व में रहवासियों ने उग्र प्रदर्शन और चक्काजाम किया। इसके कारण शहर की रफ्तार थम गई और तपती धूप में सैकड़ों यात्री कई घंटों तक सिटी बसों और अन्य वाहनों में फंसे रहे। आखिरकार नगर निगम, पुलिस-प्रशासन के अधिकारियों के कार्रवाई के आश्वासन के बाद प्रदर्शन को समाप्त कर दिया गया।

### चक्काजाम से यात्रियों की बढ़ी आफत

सुबह से ही शहर के दो बड़े केंद्रों पर प्रदर्शनकारियों ने मोर्चा खोल दिया। पालदा चौराहे पर कांग्रेस पार्षद कुणाल सोलंकी के नेतृत्व में वार्ड-75 और वार्ड-64 के सैकड़ों रहवासी सड़क पर बैठ गए। दीनदयाल उपाध्याय चौराहे (सुखलिया जोन-5) पर वार्ड-27 के पार्षद राजू भदौरिया के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने प्रदर्शन किया। दोनों ही प्रमुख मार्गों पर चक्काजाम होने से वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। सबसे ज्यादा परेशानी सिटी बसों में सफर कर रहे आम यात्रियों, बुजुर्गों और बच्चों को हुई, जो घंटों जाम में फंसे रहे। वार्ड-27 में प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि क्षेत्र में पहले जो निःशुल्क पानी वितरण की व्यवस्था थी, वह बंद कर दी गई है, जिससे संकट और बढ़ गया है। महापौर के खिलाफ नारेबाजी भी की गई। इससे

पहले भी कांग्रेस शहर के सभी 22 जोनल कार्यालयों पर पानी संकट को लेकर प्रदर्शन कर चुकी है। कई इलाकों में लोग सड़क पर उतरकर चक्काजाम और धरना दे चुके हैं। हाल ही में बड़ी संख्या में लोग पानी दो-पानी दो के नारे लगाते हुए पैदल विधायक रमेश मेंदोला के निवास तक पहुंच गए थे। प्रदर्शन के दौरान महिलाओं और पुरुषों ने खाली बर्तन लेकर नगर निगम प्रशासन और महापौर के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। सुखलिया में प्रदर्शन कर रहे लोगों ने आरोप लगाया कि क्षेत्र में पहले जो निःशुल्क पानी वितरण व्यवस्था' चल रही थी, उसे नगर निगम ने बंद कर दिया है। इसके कारण गरीब बस्तियों और मध्यमवर्गीय परिवारों के सामने पानी का संकट और ज्यादा गंभीर हो गया है।

### इंदौर में पानी संकट के 3 मुख्य कारण

पार्षद कुणाल सोलंकी और स्थानीय जनप्रतिनिधियों के अनुसार, शहर में पानी की किल्लत के पीछे मुख्य रूप से तीन बड़ी वजहें हैं। नर्मदा लाइन का न होना: वार्ड-75 और आसपास की कई नई कॉलोनियों व मोहल्लों में अब तक नगर निगम द्वारा नर्मदा जल की पाइपलाइन नहीं बिछाई जा सकी है। टैंकरों की भारी कमी: जिन इलाकों में पाइपलाइन नहीं हैं, वहां लोग पूरी तरह निगम के टैंकरों के भरोसे हैं, लेकिन नगर निगम से पर्याप्त संख्या में टैंकर नहीं मिल पा रहे हैं, जिससे नियमित सप्लाई ठप है। ग्राउंड वॉटर लेवल गिरना: भीषण गर्मी के कारण बोरिंग सूख चुके हैं, जिससे टैंकरों के अलावा पानी का कोई दूसरा विकल्प नहीं बचा है। प्रशासन का आश्वासन और विपक्ष का अल्टीमेटम घंटों चले हंगामे के बाद नगर निगम के अधिकारी और प्रशासनिक अमला मौके पर पहुंचा। अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि प्रभावित वार्डों में तुरंत अतिरिक्त टैंकरों की व्यवस्था की जाएगी और पानी की सप्लाई सुचारु करने के लिए स्थायी कदम उठाए जाएंगे। कांग्रेस नेताओं और पार्षदों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि प्रशासन के आश्वासन पर फिलहाल चक्काजाम खोला गया है, अगर अगले कुछ दिनों में टैंकरों की संख्या नहीं बढ़ी और जल संकट का स्थायी समाधान नहीं निकाला गया तो पूरी कांग्रेस पार्टी रहवासियों के साथ मिलकर शहरव्यापी उग्र आंदोलन करेगी।

## इंदौर में 10 दिनों में 9 देहदान : मानवता की मिसाल बना शहर; नेत्र, त्वचा और देह दान से मानव सेवा का प्रेरक अभियान

संयुक्त लहर, प्रतिनिधि

**इंदौर।** मां अहिल्या की नगरी इंदौर में मानवता और परोपकार की प्रेरणादायी मिसाल लगातार सामने आ रही है। पिछले 10 दिनों में शहर में नौ देहदान हुए। 11 मई से 20 मई के बीच जिन लोगों के देहदान उनमें रमेश बिल्लोरे, जीवनसिंह गिल, शंकरलाल यादव, महेंद्र केकरे, हेमलता नाहर, रामचंद्र जैसवानी, शैला चौरड़िया, शिशुपाल जुनेजा और हेमंत चौहान शामिल हैं।

### देहदान से पहले हुआ नेत्र और त्वचा दान

सभी मामलों में देहदान से पहले विशेष रूप से आंखों और त्वचा का दान किया गया, ताकि जरूरतमंद लोगों को नई रोशनी और जीवन मिल सके। इसके बाद देह को मेडिकल शिक्षा और शोध कार्यों के लिए समर्पित किया गया।

### पुलिस ने दिया `गार्ड ऑफ ऑनर'

मध्यप्रदेश सरकार द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार सभी देहदान के दौरान पुलिस टीम ने शासकीय सम्मान 'गार्ड ऑफ ऑनर' प्रदान किया। खास बात यह कि शैला चौरडिया के परिजनों ने सादगी बनाए रखने की भावना से यह सम्मान स्थगित करने का निर्णय लिया।

### कई संस्थाओं ने निभाई महत्वपूर्ण भूमिका

इन सभी देहदान प्रक्रियाओं में एमजीएम मेडिकल कॉलेज, श्री अरविंदो मेडिकल कॉलेज, इंडेक्स मेडिकल कॉलेज, सर्वपल्ली राधाकृष्णन कॉलेज ऑफ आयुर्वेद, सत्य साई इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस, एमके इंटरनेशनल आई बैंक, शंकरा आई बैंक, एम वाय आई बैंक तथा चोइथराम स्किन बैंक ने तकनीकी सहयोग प्रदान किया। मन्वयकों ने इस सेवा कार्य में सहयोग देने वाले परिजनों, मुख्यमंत्री मोहन यादव, इंदौर पुलिस प्रशासन और चिकित्सा संस्थानों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि अंगदान और देहदान के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के इस अभियान में समाज के सहयोग, विश्वास और संवेदनशीलता की महत्वपूर्ण भूमिका है। इंदौर में लगातार हो रहे देह दान यह संदेश दे रहे हैं कि मृत्यु के बाद भी इंसान कई लोगों के जीवन में उम्मीद और नई रोशनी बन सकता है। शहर में बढ़ती जागरूकता और सामाजिक सहभागिता मानव सेवा की नई मिसाल पेश कर रही है। पिछले एक दशक में इंदौर और आसपास के शहरों के 350 से ज्यादा परिवारों ने अपने दिवंगतों के अंगदान किए हैं। इस पुनीत कार्य में मुस्कान ग्रुप सहित अन्य सामाजिक संगठनों द्वारा निरंतर जनजागरण, परामर्श एवं सेवा कार्य किए गए, जिसके परिणामस्वरूप अनेक परिवारों ने मानवता की सेवा हेतु देहदान का संकल्प लिया। दरअसल, देहदान केवल चिकित्सा विज्ञान को सशक्त बनाने का माध्यम नहीं, बल्कि यह समाज की संवेदनशीलता, सेवा भावना और मानव कल्याण के प्रति समर्पण का जीवंत प्रतीक है। इसके माध्यम से मेडिकल विद्यार्थियों को मानव शरीर की संरचना का व्यावहारिक अध्ययन करने का अवसर मिलता है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने देह दान और अंगदान करने वाले परिवारों को 'गार्ड ऑफ ऑनर' देने की व्यवस्था की घोषणा 1 जुलाई 2025 को की थी। इसके बाद सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा आदेश जारी कर पूरे प्रदेश में इसे लागू करने के निर्देश दिए गए। इस व्यवस्था के तहत देहदान या अंगदान करने वाले व्यक्ति को अंतिम विदाई के समय 'गार्ड ऑफ ऑनर' दिया जाता है। इसके बाद से देह दान तीन गुना बढ़े हैं। ऐसे परिवारों को 26 जनवरी और 15 अगस्त पर सार्वजनिक सम्मान भी दिया जाएगा।

## 54.11 एमडी ड्रग्स के साथ दो आरोपी गिरफ्तार इंदौर क्राइम ब्रांच को रोड किनारे खड़े मिल गए, बैग में छिपा रखी थी

**इंदौर।** इंदौर क्राइम ब्रांच ने 54.11 ग्राम एमडी ड्रग्स के साथ दो लोगों को गिरफ्तार किया। ये दोनों क्राइम ब्रांच को रोड किनारे खड़े मिल गए। उन्होंने बैग में ड्रग्स छिपा रखी थी। इस ड्रग्स की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 5 लाख 40 हजार रुपए है। टीम ने आरोपियों के पास से ड्रग्स व अन्य सामान मिलाकर 6 लाख रुपए का माल जब्त किया है। डीसीपी क्राइम ब्रांच राजेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि क्राइम ब्रांच को जानकारी मिली कि पोलोग्राउंड चौराहे के पास तिलकपथ पर दो लोग संदिग्ध हालत में है। जानकारी मिलने पर टीम ने दोनों की घेराबंदी की, दोनों रोड किनारे बैग टांगे खड़े थे। उन्हें पकड़ा और पूछताछ की तो उन्होंने अपने नाम नावेद खान निवासी जबरन कॉलोनी, खाचरोद रोड नागदा और फरहान खान निवासी जबरन कॉलोनी खाचरोद रोड नागदा का होना बताया। जब उनके बैग को चेक किया तो उसने प्लास्टिक की थैली में 54.11 ग्राम एमडी ड्रग्स छिपा रखी थी। टीम ने दोनों को गिरफ्तार किया है। क्राइम ब्रांच की गिरफ्त में आरोपी। उनसे जानकारी निकाली जा रही है कि ये दोनों कहां से ड्रग्स लेकर आए और किन लोगों को सप्लाई करने जा रहे थे।

## एमपी के 37 जिलों में लू का अलर्ट खजुराहो-नौगांव सबसे गर्म, अधिकतम तापमान 45 डिग्री के पार पहुंचा

संयुक्त लहर, प्रतिनिधि

**इंदौर।** मध्य प्रदेश इन दिनों भीषण गर्मी और लू की चपेट में है। यहां के ज्यादातर शहरों में तापमान 43 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया है। शनिवार को छतरपुर जिले के नौगांव और खजुराहो सबसे गर्म रहे। नौगांव में अधिकतम तापमान 45.5 डिग्री और खजुराहो में 45.4 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि अगले चार दिन तक प्रदेशवासियों को तेज गर्मी और हीटवेव से राहत मिलने की संभावना नहीं है। द्धस्ष्ठ भोपाल ने रविवार के लिए टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना और सतना में तीव्र लू (सीवियर हीटवेव) का रेड अलर्ट जारी किया है। इसके अलावा 11 जिलों में ऑरेंज अलर्ट और 22 जिलों में येलो अलर्ट घोषित किया गया है। इस तरह प्रदेश के कुल 37 जिलों में हीटवेव का खतरा बना हुआ है। देश के कई हिस्सों में तापमान 45एष्ट चल रहा है। इसमें अपच और एसिडिटी की समस्या हो सकती है। ध्यान न देने पर ये प्रॉब्लम बड़ी हो सकती है। आज 'जरूरत की खबर' में जानेंगे कि खानपान, लाइफस्टाइल में बदलाव और घरेलू उपायों से एसिडिटी से निजात पाई जा सकती है। 11 जिलों में तीव्र लू का ऑरेंज अलर्ट: दतिया, निवाड़ी, सागर, दमोह, कटनी, मैहर, उमरिया, रीवा, मऊगंज, सीधी और सिंगरौली। 22 जिलों में लू का येलो अलर्ट: ग्वालियर, भिंड, मुरैना, श्योपुर, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, विदिशा, रायसेन, नरसिंहपुर, जबलपुर, मंडला, डिंडौरी, अनूपपुर, शहडोल, राजगढ़, शाजापुर, आगर-मालवा, उज्जैन, नीमच, मंदसौर और रतलाम। 18 जिलों में तेज गर्मी: भोपाल, इंदौर, झाबुआ, आलीराजपुर, धार, बड़वानी, खरगोन, बुरहानपुर, खंडवा, देवास, सीहोर, हरदा, नर्मदापुरम, बैतूल, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी और बालाघाट।

## 5 महीने में युवक के खाते से उड़े 7.19 लाख : इंदौर में कार खरीदने बैंक पहुंचा तो साइबर ठगी का हुआ खुलासा

संयुक्त लहर, प्रतिनिधि

**इंदौर।** इंदौर के सराफा थाना क्षेत्र में एक ऑनलाइन धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। 19 साल के युवक के अंकाउट से 5 माह मे करीब 7 लाख 19 हजार रूपए निकाले गए। युवक को नई कार लेना थी। वह बैंक का स्टेटमेट लेने पहुंचा तो उसने अंकाउट से रुपए निकालने की जानकारी लगी। सराफा पुलिस के मुताबिक 19 वर्षीय वंश श्रीमाल, निवासी शक्कर बाजार ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है कि उनके बैंक खाते से अज्ञात साइबर ठगों ने कुल 7 लाख 19 हजार रूपए उड़ा दिए। वंश के पिता ललित व्यापारी है। वंश के अनुसार उनका बचत खाता एसबीआई ब्रांच इतवारिया बाजार में है। वंश ने बताया कि 31 दिसंबर 2025 से 18 अप्रैल 2026 के बीच खाते से अलग-अलग आईडी के माध्यम से 7 लाख से अधिक राशि निकाल ली गई। इस दौरान उनके मोबाइल

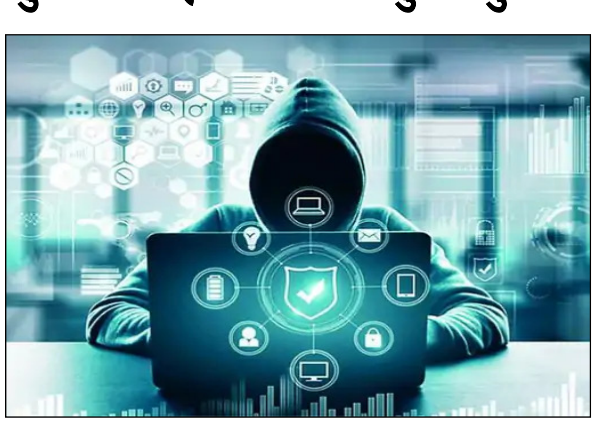

नंबर या ईमेल पर कोई भी ट्रांजैक्शन मैसेज या ओटीपी नहीं आया।

### स्टेटमेंट निकालने पर हुआ खुलासा

वंश श्रीमाल ने बताया कि वे 23 अप्रैल 2026 को कार खरीदने के लिए बैंक स्टेटमेंट निकालने पहुंचे। तभी उन्हें खाते से रूपए की जानकारी लगी। स्टेटमेंट में दर्ज रकम देखने के बाद उन्होंने तुरंत पुलिस से संपर्क किया।

### महिला से भी ठगी

तिलक नगर पुलिस ने किरण माउला निवासी राजश्री अपार्टमेंट पिपल्याहाना की शिकातय पर 1 लाख 25 हजार की ठगी होने के मामले मे एफआईआर की है। किरण ने बताया कि उन्हे एक एप के माध्यम से लिंक कराने के बाद आरोपी ने अंकाउट से रूपए निकाले है। इस मामले मे तिलक नगर पुलिस ने मामले मे एफआईआर दर्ज की है।

## क्या इनकी डिग्री चेक नहीं की जाना चाहिए : लंगड़ा ब्रिज 5 साल में 15 इंजीनियर ने देखा

**इंदौर।** 25 करोड़ रुपए के रेती मंडी ब्रिज का काम पांच साल में 15 इंजीनियर्स ने देखा। नक्शा बनने से लेकर तैयार होने के बाद रंग-रोगन तक सभी ने कई बार निरीक्षण किए, फाइलें देखीं, मगर इतनी बड़ी चूक किसी को नजर नहीं आई। टर्न पर सिर्फ एक पिलर बना है, वह कैसे पूरे ब्रिज का लोड उठा पाएगा? भास्कर ने एक्सपर्ट के साथ एनालिसिस किया तो और भी कई खामियां सामने आईं। यहां तक कि निर्माण एजेंसी आरपी गुप्ता के पास भी अपनी डिजाइनर और इंजीनियर की टीम थी, जिसने साइट विजिट के बाद फाइनल ड्राइंग और डिजाइन तैयार की। जंक्शन हिस्से की चौड़ाई बढ़ाने के लिए ऊपरी स्लैब डालने के बाद हुए स्ट्रक्चरल ऑडिट में सामने आया कि नीचे अतिरिक्त पियर की जरूरत पड़ेगी।

## प्रदेश में यूसीसी लागू करने के लिए इंदौर से शुरुआत : लिव-इन रिलेशनशिप पर सबसे ज्यादा आपत्ति महिलाओं पर अत्याचार खत्म करने यूसीसी जरूरी

संयुक्त लहर, प्रतिनिधि

**इंदौर।** प्रदेश में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने के लिए जन परामर्श की शुरुआत इंदौर से शनिवार को हुई। जाल सभागृह में आयोजित बैठक में राज्य सरकार द्वारा नियुक्त कमेटी के चारों मेंबर ने आमजन, संस्थाओं और समाजों से सुझाव लिए। अधिकांश सदस्यों ने अलग-अलग समाजों में महिलाओं पर होने वाले अत्याचार और बच्चों की परवरिश, शिक्षा और वित्तीय अधिकारों के लिए यूसीसी लागू करने को उचित माना। सर्वाधिक आपत्ति लिव-इन रिलेशनशिप पर ली। साथ ही कहा कि इसे किसी भी तरह से कानूनी मान्यता नहीं दी जाना चाहिए। परिवारों के बीच से आपस में शादी को भी कई लोगों ने नकारा। बैठक में कमेटी के सदस्य शत्रुघ्न सिंह ने यूसीसी का उद्देश्य बताया।

### सुझाव देने की आखिरी तारीख 15 जून

सुझाव देने की आखिरी तारीख 15 जून है। नागरिक पर सुझाव दे सकते हैं। बैठक में विधायक मधु वर्मा, पूर्व विधायक सुदर्शन गुप्ता, गोपीकृष्ण नेमा, श्रवण चावड़ा, डॉ. विनोद भंडारी, गणेश चौधरी, धर्मेंद्र पंड्या, सुरेश कार्टन सहित अन्य ने सुझाव दिए। कलेक्टर शिवम वर्मा, एडीएम रोशन राय भी मौजूद थे। नए कानून में सभी धर्मों के पुरुषों और महिलाओं के लिए तलाक के कानूनी आधार समान होंगे। किसी भी समुदाय में निजी या धार्मिक ट्रिब्यूनल से होने वाले एकतरफा तलाक अवैध होंगे। तलाक के बाद पत्नी और बच्चों के गुजारा भत्ते के अधिकार को समान बनाना। लिव-इन में रहने वालों को रजिस्ट्रार के पास पंजीकरण कराना अनिवार्य होगा। यदि कोई पुरुष साथी लिव-इन पार्टनर को छोड़ देता है, तो महिला गुजारा भत्ता मांग सकती है। लिव-इन रिलेशनशिप से जन्मे बच्चों को माता-पिता की संपत्ति में पूरा अधिकार मिलेगा। वसीयत न होने की स्थिति में मृतक की संपत्ति पर बेटे और बेटी दोनों को बराबर का हक मिलेगा। उत्तराधिकार की सूची में माता-पिता (विशेषकर मां) को भी संपत्ति का प्राथमिक वारिस माना गया है। व्यक्ति अपनी संपत्ति की वसीयत मर्जी से किसी के नाम करने के लिए स्वतंत्र। महापौर-विधायक बोले- विरोध ठीक नहीं, हम समर्थन करते हैं भाजपा नेता सद्दाम पठान ने यूसीसी को सही माना। वहीं मुस्लिम समाज की ओर से मोइनुद्दीन रजवी ने कहा हम इस कानून को नहीं मानते। इस पर महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि यूसीसी का कंसेप्ट आया ही इसलिए है कि देश में एक रूप में यह लागू हो। विधायक मालिनी गौड़ ने भी कहा कि यूसीसी का विरोध ठीक नहीं है। हम यूसीसी का समर्थन करते हैं। यूसीसी लागू करने में उत्तराखंड स्वतंत्र भारत का पहला राज्य है। 27 जनवरी 2025 से यहां पूरी तरह लागू कर दिया गया है। गुजरात भी यूसीसी विधेयक पारित करने वाला देश का दूसरा राज्य बन गया है। मार्च 2026 में गुजरात विधानसभा ने इसे मंजूरी दी है। गोवा में स्वतंत्रता (1961) से ही पुर्तगाली सिविल कोड लागू है, जिसे एक प्रकार का सामान्य नागरिक कानून माना जाता है, लेकिन यह आधुनिक यूसीसी के उत्तराखंड मॉडल से थोड़ा अलग है। असम, मध्यप्रदेश और राजस्थान जैसे राज्य भी इस दिशा में कानून बनाने की प्रक्रिया में हैं।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सुनील कुमार यादव के लिए पंकज प्रिंटर एंड पैकेजिंग, 16-ए अल्फा इंडस्ट्रियल पार्क, ग्राम जाख्या, सांवेर रोड, इंदौर (म.प्र.) पिन-453555 - बी, सूर्यदेव नगर इंदौर कैट रोड हवा बंगला से प्रकाशित। प्रबंध सम्पादक : सुनील कुमार यादव (9630413449)
सम्पादक : भारत प्रसाद यादव, Email : dainiksanyuktlaher@gmail.com समाचार चयन के लिए पीआर एक्ट के तहत जिम्मेदार। (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा ) RNI No. MPHIN/2023/90392